राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष: 11 अंक: 194 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, मंगलवार, 25 जनवरी 2022 मूल्य: 1.50/-

यूपी चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी की पहली सूची जारी

कैराना से नाहिद हसन पर ही अखिलेश ने जताया भरोसा

लखनऊ / एजेंसी । सपा ने सोमवार को 159 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की है। सपा प्रमुख अखिलेश सिंह यादव मैनपुरी की करहल सीट से ही चुनाव लड़ेंगे। वहीं, सीतापुर जेल में बंद आजम खान को रामपुर से टिकट दिया गया है। आजम के बेटे अब्दुल्ला को स्वार सीट से सपा ने मैदान में उतारा है। अब्दुल्ला 10 दिन पहले ही जमानत पर जेल से बाहर आए हैं।

भाजपा छोड़कर सपा में आए स्वामी प्रसाद मौर्या के बेटे उत्कृष्ट मौर्या को टिकट नहीं दिया गया है। वह

ऊंचाहार सीट से टिकट मांग रहे थे। उनकी जगह सपा ने पुराने सपा नेता मनोज पांडेय को मैदान में उतारा है।

सपा ने 159 में 7 महिलाओं को टिकट दिया है। वहीं, एसपी कैटेगरी के 31 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। इसके अलावा, 8 वैश्य, 7 ठाकुर और 9 ब्राह्मण प्रत्याशी उतारे हैं।

बसपा से आए 3, कांग्रेस और भाजपा से आए 2-2 को टिकट

सपा ने दूसरे दलों से आए नेताओं पर कम भरोसा जताया है। बसपा से आए तीन नेताओं में तिलक चंद्र अहिरवार को झांसी से, द्यू प्रसाद को नरैनी से और आरएस कुशवाह को निघासन सीट से प्रत्याशी बनाया है। इसके अलावा, कांग्रेस से आए अंकित परिहार को उन्नाव की भगवंतनगर से सुप्रिया ऐरन को बरेली कैंट से मैदान में उतारा है।

वहीं, भाजपा से आए पूर्व मंत्री धर्मसिंह सैनी को सहारनपुर की नकुड़ से उतारा है। वहीं, रोशनलाल वर्मा को शाहजहांपुर की तिलहर सीट से प्रत्याशी बनाया है।

159 उम्मीदवारों में 9 महिलाएं और 31 मुस्लिम

सपा ने 159 की लिस्ट में सिर्फ 9 महिला उम्मीदवार को मैदान में उतारा है। 159 उम्मीदवारों की लिस्ट में 31 मुस्लिम उम्मीदवार शामिल हैं। इनमें सीतापुर जेल में बंद सपा सांसद आजम खान भी शामिल हैं। आज रामपुर से चुनाव लड़ेंगे। आजम के बेटे अब्दुल्ला आजम को स्वार सीट से टिकट मिला है। मुरादाबाद की कुंदरकी सीट से सपा सांसद शफीकुर्रहमान बर्क के पोते जियाउर्रहमान को टिकट दिया गया है। जिया को टिकट मिलते ही यहां से सपा विधायक हाजी रिजवान कुरैशी बगावती तेवर दिखाने लगे हैं।

सुप्रीम कोर्ट में आज होगी सुनवाई

छह हजार एनजीओ के लाइसेंस खत्म करने के खिलाफ याचिका

नई दिल्ली/एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह उस याचिका पर मंगलवार को सुनवाई करेगा, जिसमें केंद्र के कथित फैसले को रद्द करने की मांग की गई है जिसके कारण 5,789 संस्थाओं ने अपना विदेशी योगदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) पंजीकरण गंवा दिया है। विदेश से निधि प्राप्त करने वाली किसी भी संस्था या गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) के लिये एफसीआरए पंजीकरण कराना अनिवार्य है।` अमेरिका स्थित एनजीओ ग्लोबल पीस इनिशिएटिव की ओर से दायर याचिका न्यायमूर्ति ए एम खानविलकर और न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई।

पीठ ने कहा कि इस पर मामले पर मंगलवार को सुनवाई की जाएगी। देश में 31 दिसंबर 2021 तक 22,762 एफसीआरए पंजीकृत संगठन थे।

बिहार में भाजपा के सहयोगी यूपी में बिगाड़ सकते हैं उसका खेल

बिहार/एजेंसी। बिहार में एक साथ मिलकर सरकार चला रहे तीन दल उत्तर प्रदेश में एक-दूसरे के आमने-सामने हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए सत्ता वापसी करना बड़ी चुनौती है। भाजपा को समाजवादी पार्टी की ओर से कड़ी टक्कर भी मिल रही है। भाजपा ने अच्छे परिणाम के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। लेकिन उसके अपने ही उसके सामने कई मुश्किलें खड़ी करती दिखाई दे रहे हैं।

बिहार में भाजपा के दो सहयोगी जनता दल यू और मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी ने उत्तर प्रदेश में अपने अपने उम्मीदवार उतारने का ऐलान कर दिया है। सबसे बड़ा सवाल यही है कि बिहार की यह दोनों पार्टी भाजपा के लिए उत्तर प्रदेश में खेल बनाएंगे या बिगाड़ेंगे?

जदयू की ओर से भाजपा के साथ उत्तर प्रदेश में गठबंधन की कोशिश भी की गई थी। हालांकि बात नहीं

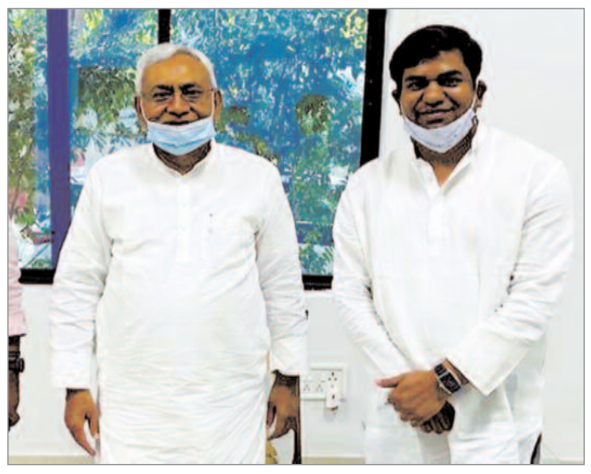

बन पाई। भाजपा से बात नहीं बनने की स्थिति में जदयू ने अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। जदयू की ओर से 26 सीटों पर अपने प्रत्याशी भी उतारे जा रहे हैं। इन 26 सीटों में ज्यादातर पूर्वांचल की सीटें हैं जहां कुर्मी वोटों की संख्या ज्यादा है। इसके साथ ही इन 26 सीटों में से 22 सीटें ऐसी है जहां भाजपा गठबंधन का कबजा है। इन 22 में से 19 भाजपा के खाते में जबकि तीन पर उसके सहयोगी अपना दल (एस) के उम्मीदवार ने जीत हासिल की थी।

पंजाब चुनाव में पाकिस्तान की एंट्री

पंजाब /एजेंसी। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कभी कांग्रेस के बड़े नेता रहे कैप्टन अमरिंदर सिंह ने एक बार फिर पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष पर सिद्धू पर हमला बोला है। इस बार उन्होंने उनके पाकिस्तान कनेक्शन को लेकर बहस छेड़ दिया है।

कैप्टन ने कहा, सिद्धू के लिए पाकिस्तान से हुई थी सिफारिश

पाक पीएम ने मंत्रालय में रखने के लिए किया था मैसेज

मैसेज में लिखा था- सिद्धू मेरा अच्छा दोस्त है, उसे सरकार में रख लो

पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह ने सोमवार को पंजाब कांग्रेस प्रधान नवजोत सिद्धू पर बड़ा आरोप लगाया। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने उनसे अनुरोध किया था कि यदि आप नवजोत सिद्धू को अपने

मंत्रिमंडल में ले सकते हैं तो मैं आभारी रहूंगा। वह मेरे पुराने मित्र हैं। अगर वह काम नहीं करेंगे तो आप उन्हें हटा सकते हैं। उन्होंने कहा कि ये संदेश एक साझा जानकार के जरिए भेजा गया था।

सिद्धू को कहा, दिमागी तौर पर संतुलित कैसे हो सकते हैं सिद्धू पर निशाना साधते हुए कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि जो व्यक्ति दावा करता हो कि वह हर दिन एक घंटा सुबह और एक घंटा शाम ईश्वर से सीधे बातें करता है, वह दिमागी तौर पर संतुलित कैसे हो सकता है उन्होंने कहा कि पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सिद्धू पाकिस्तान जाकर वहां के प्रधानमंत्री इमरान खान और जनरल बाजवा के साथ चाहे जितनी भी झप्पियां डालें, लेकिन उससे शांति नहीं लाई जा सकती। न ही देश के लोग ही इस बात को स्वीकार कर पाएंगे, जबकि हमारे सैनिक आए दिन मारे जा रहे हों। उन्होंने कहा कि यदि ताजा आंकड़े ही लिए जाएं तो पता चलता है कि 2017 से अब तक अकेले पंजाब के रहने वाले 83 फौजियों की मौतें पाकिस्तानी फायरिंग में हुई हैं।

शेयर बाजार में हाहाकार

मुंबई/एजेंसी। वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच घरेलू बाजार में चौतरफा बिकवाली से बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 1,546 अंक का गोता लगाकर 58,000 अंक के नीचे आ गया। कारोबारियों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी जारी रहने से भी बाजार धारणा पर प्रतिकूल असर पड़ा। बाजार में शुरुआत गिरावट के साथ हुई और दोपहर के कारोबार में बिकवाली और तेज हो गयी। लगभग सभी खंडवार सूचकांक नुकसान में रहे।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,545.67 अंक यानी 2.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ 57,491.51 पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 468.05 अंक यानी 2.66 प्रतिशत का गोता लगाकार 17,149.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के सभी 30 शेयर नुकसान में रहे। बजाज

फाइनेंस का शेयर करीब छह प्रतिशत टूटकर सर्वाधिक नुकसान में रहा। इसके अलावा टाटा स्टील, विप्रो, टेक महिंद्रा, टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचसीएल टेक में भी प्रमुख रूप से नुकसान में रहे।

पंजाब में 65 सीट पर लड़ेगी भाजपा

भाजपा 65, SAD संयुक्त 15 और कैप्टन की पार्टी 37 सीटों पर लड़ेगी चुनाव; दिल्ली से हुआ ऐलान

पंजाब /एजेंसी। पंजाब विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की पंजाब लोक कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर सहमति बन गई है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जानकारी दी कि 117 विधानसभा सीटों वाले पंजाब में भाजपा 65 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। जबकि पंजाब लोक कांग्रेस 37 सीटों पर और संयुक्त अकाली दल-ढिंढसा 15 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। आपको बता दें कि भाजपा ने पंजाब लोक कांग्रेस और

संयुक्त अकाली दल-ढिंढसा के साथ मिलकर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है और अमरिंदर के साथ चुनावी रणनीति भी तैयार की जा चुकी है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पंजाब में एनडीए गठबंधन जो हुआ है उसमें भाजपा, पंजाब लोक कांग्रेस और संयुक्त अकाली दल-ढिंढसा, हम सब मिलकर पंजाब विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा 65 सीटों पर, पंजाब लोक कांग्रेस 37 सीटों पर और 15 सीटों पर संयुक्त अकाली दल-ढिंढसा चुनाव लड़ेंगे।

उन्होंने कहा कि पंजाब बॉर्डर पर स्थित राज्य है, देश की सुरक्षा के लिए पंजाब में स्थिर और मजबूत सरकार बनना आवश्यक है। पाकिस्तान की हरकतें हमारे देश के लिए कैसी रही हैं, ये हमें मालूम है। हमने वहां पर देखा है कि ड्रग्स की और हथियारों की स्मगलिंग का प्रयास वहां होता रहता है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि पंजाब में एनडीए गठबंधन जो हुआ है उसमें भाजपा, पंजाब लोक कांग्रेस और संयुक्त अकाली दल-ढिंढसा, हम सब मिलकर पंजाब विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा 65 सीटों पर, पंजाब लोक कांग्रेस 37 सीटों पर और 15 सीटों पर संयुक्त अकाली दल-ढिंढसा चुनाव लड़ेंगे।

स्मृति मंधाना बनी 2021 की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर

नई दिल्ली/एजेंसी।

भारत की सलामी बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने साल 2021 की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर चुना है। उन्हें रेचल हेहो-फ़्लिंट ट्रॉफ़ी से सम्मानित किया जाएगा। एलीस पेरी के बाद दो बार यह ट्रॉफ़ी जीतने वाली वह विश्व की सिर्फ़ दूसरी महिला क्रिकेटर हैं।

समृति का नाम आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला टी20 खिलाड़ियों

की सूची में भी था, लेकिन यह पुरस्कार इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज़ टैमी ब्यूमोंट ने जीता। वहीं दक्षिण अफ़्रीका की बल्लेबाज़ लिज़ेल ली को साल 2021 का सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे क्रिकेटर चुना गया।

प्रधानमंत्री ने पीएमआरबीपी पुरस्कार विजेताओं के साथ बातचीत की

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार विजेता बच्चों से आग्रह किया कि वो आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति देने में अपने-अपने घरों में वोकल फॉर लोकल पर जोर दें। पीएम ने पुरस्कार विजेताओं से बातचीत में स्वच्छ भारत अभियान की सफलता का बहुत बड़ा श्रेय देश के बच्चों को दिया।

उन्होंने बच्चों को सुझाव दिया कि वह घर में उपयोग होने वाली वस्तुओं की एक सूची बनाएं और देखें कि उनमें से कितने ऐसे उत्पाद हैं, जो भारत में नहीं बने हैं और वह

विदेशी हैं।

उन्होंने कहा, इसके बाद घर के लोगों से आप आग्रह करें कि भविष्य में जब वैसा ही कोई उत्पाद खरीदा जाए तो वह भारत में बना हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले 25 सालों में देश जिस ऊंचाई पर होगा और जो उसका सामर्थ्य बनेगा, उसमें बहुत बड़ी भूमिका युवा पीढ़ी की होगी। उन्होंने कहा, आज देश में जो नीतियां बन रही है और जो प्रयास हो रहे हैं, इन सब के केंद्र में युवा पीढ़ी है।

कारोबारी क्षेत्र में परचम लहरा रहे भारतीय

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज उन्हें गर्व होता है जब वह देखते हैं दुनिया की बड़ी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) भारतीय हैं, स्टार्टअप की दुनिया में भारत परचम फहरा रहा है, जब नए-नए नवोन्मेष हो रहे हैं और देश के युवा गगनयान मिशन के लिए तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, यही वह नया भारत है। हिम्मत और हौसला आज भारत की पहचान है। आज भारत अपनी वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की नींव को मजबूत करने के लिए निरंतर कदम उठा रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने ब्लॉकचैन टेक्नॉलजी के उपयोग के जरिए वर्ष 2022 और 2021 के पीएमआरबीपी पुरस्कार विजेताओं को डिजिटल प्रमाणपत्र भी प्रदान किए। पुरस्कार विजेताओं को प्रमाण पत्र देने के लिए पहली बार इस तकनीक का उपयोग किया गया।

दिल्ली में 20 दिन पीछे पहुंचा कोरोना

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली में कोरोना संक्रमण 20 दिन पीछे पहुंच गया है। पिछले एक दिन में जहां कोरोना संक्रमण के दैनिक मामलों में कमी आई है। वहीं संक्रमण दर में भी लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। हालांकि

संक्रमण के चलते मौत में अब तक कमी दर्ज नहीं की गई है। सोमवार को स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि पिछले एक दिन में 5760 लोग कोरोना संक्रमित मिले हैं।

इस दौरान 14836 मरीजों को छुट्टी दी गई है। जबकि 30 मरीजों की उपचार के दौरान मौत हुई है। इससे पहले आखिरी बार चार जनवरी को एक दिन में 5481 लोग संक्रमित मिले थे। इसके बाद पांच जनवरी से यह संख्या काफी तेजी से बढ़ते हुए 28 हजार का आंकड़ा तक पार कर गई थी।

आयशा मलिक बनीं पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला न्यायाधीश

इस्लामाबाद। जस्टिस आयशा मलिक ने सोमवार को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट की प्रथम महिला न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली। जियो टीवी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश गुलज़ार अहमद ने जस्टिस आयशा को शपथ दिलाई। इस अवसर पर पाकिस्तान के अगले शीर्ष न्यायाधीश के तौर पर नामित जस्टिस उमर अता बंदियाल और सुप्रीम कोर्ट के अन्य जज भी मौजूद थे। जस्टिस आयशा इस पद के लिए 21 जनवरी को औपचारिक तौर पर चयनित हुई थीं। जियो टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस आयशा का सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के तौर पर पदोन्नत होना आसान नहीं था, क्योंकि देशभर के वकीलों ने वरिष्ठता को आधार बनाकर उनकी पदोन्नति का विरोध किया था। जस्टिस आयशा वरिष्ठता क्रम में लाहौर उच्च न्यायालय में चौथे स्थान पर थीं। इस बीच, पाकिस्तान के बार एसोसिएशन ने सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश के तौर पर सुश्री आयशा की नियुक्ति के विरोध में हड़ताल का आह्वान किया है।

बेल्जियम में प्रदर्शन के दौरान 70 लोग गिरफ्तार

ब्रुसेल्स। बेल्जियम में पुलिस ने कोरोना वायरस को लेकर लगाई गई पाबंदियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे करीब 70 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए पानी की बौछार की और आंसू गैस के गोले दागे। अधिकारियों के मुताबिक बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स में करीब 50,000 लोगों ने रविवार को प्रदर्शन किया। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर कूड़ेदान, बैरियर और अन्य प्रोजेक्टाइल फेंकना शुरू कर दिया, इसके बाद हिंसक झड़पों के बीच में पुलिसकर्मियों को पानी की बौछार करनी पड़ी तथा आंसू गैस के गोले दागने पड़े। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान पुलिस ने करीब 70 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया तथा 12 उपद्रवियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। समाचार एजेंसी बेल्गा ने बेल्जियम के प्रधान मंत्री अलेक्जेंडर डी क्रू ने हवाले से रविवार शाम को अपनी रिपोर्ट में कहा, हमारा समाज कभी भी अंधी हिंसा को स्वीकार नहीं करेगा।

मलेशिया में कोरोना के 3856 नए मामले

कुआलालम्पुर। मलेशिया में कोरोना वायरस के 3856 नए मामले दर्ज किये गये हैं और इसके बाद यहां इस प्राण घातक विषाणु से प्रभावित होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 28,32,945 हो गयी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक रविवार मध्यरात्रि तक दर्ज किये नए मामलों में 492 विदेशों से आए हुए लोगों से संबंधित है। वहीं 3364 मामले अस्थानीय संक्रमण के हैं। देश में इस महामारी से नौ और लोगों की मौत हुई है। इसके बाद मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 31,892 हो गया है। यहां इस दौरान 2814 लोग इससे ठीक हुए हैं। इसके बाद इस महामारी को मात देने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 27, 55,933 हो गयी है। मलेशिया में इस समय कोरोना 45120 सक्रिय मामले हैं, जिनमें से 143 लोगों को गहन चिकित्सा कक्ष में उपचार चल रहा है, जबकि 53 लोगों को ऑक्सीजन की जरूर है। यहां रविवार को 131,168 लोगों को वैक्सीन की खुराक दी गयी। यहां 79.8 फीसदी आबादी को वैक्सीन की कम से कम पहली खुराक, 78.7 फीसदी आबादी को दोनों खुराक तथा 32.8 फीसदी आबादी को बूस्टर डोज दी जा चुकी है।

अमेरिका ने अपने नागरिकों को रूस नहीं जाने की दी सलाह

वाशिंगटन। अमेरिका ने यूक्रेन के साथ लगे रूस की सीमा पर तनाव के बीच अपने नागरिकों की रूस की यात्रा नहीं करने की सलाह दी है। इस संबंध में अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने परामर्श जारी किया है। विदेश मंत्रालय ने अपने परामर्श में कहा, ÷यूक्रेन के साथ सीमा पर व्याप्त तनाव, अमेरिकी नागरिकों के उत्पीड़न की संभावना, रूस में अमेरिकी नागरिकों की सहायता करने के लिए दूतावास की सीमित क्षमता, कोविड-19 और संबंधित प्रवेश प्रतिबंध, आतंकवाद, रूसी सरकार के सुरक्षा अधिकारियों द्वारा उत्पीड़न तथा स्थानीय कानून का मनमाने तरीके से लागू करने के कारण रूस की यात्रा न करें।÷ अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा है कि चेतावनी दी जाती है कि रूस और यूक्रेन की सीमा पर स्थिति तनावपूर्ण है। मंत्रालय ने कहा, ÷तनावपूर्ण स्थिति के मद्देनजर अमेरिकी नागरिकों को इस क्षेत्र के माध्यम से रूस से यूक्रेन की यात्रा नहीं करने की सलाह दी जाती है।

अमेरिका ने यूक्रेन स्थित दूतावास में कार्यरत अपने कर्मियों के परिवारों को देश छोड़ने का आदेश दिया

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने यूक्रेन स्थित अमेरिकी दूतावास में कार्यरत सभी अमेरिकी कर्मियों के परिवारों को रूसी हमले के बढ़ते खतरों के बीच रविवार को देश छोड़ने का आदेश दिया। मंत्रालय ने कीव स्थित अमेरिकी दूतावास के कर्मियों के आश्रितों को परामर्श दिया कि उन्हें देश छोड़ देना चाहिए। उसने यह भी कहा कि दूतावास में कार्यरत गैर-जरूरी कर्मी सरकारी खर्चे पर देश छोड़कर आ सकते हैं।

अमेरिका सरकार ने यह कदम ऐसे समय में उठाया है जब यूक्रेन की सीमा पर रूस की सैन्य मौजूदगी बढ़ने के कारण तनाव बढ़ गया है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रूस के विदेश मंत्री सर्गेइ लावरोव ने तनाव कम करने के लिए शुक्रवार को वार्ता की, लेकिन इस दौरान सफलता नहीं मिली। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि कीव स्थित दूतावास खुला रहेगा और इस घोषणा का मतलब यूक्रेन से अमेरिकी अधिकारियों को निकाला जाना नहीं है। उन्होंने कहा कि इस कदम पर लंबे समय से चर्चा हो रही थी और इसका अर्थ यह नहीं है कि अमेरिका यूक्रेन के प्रति समर्थन को कम कर रहा है।

कोविड-19: चीन के शिआन शहर से एक महीने बाद हटा लॉकडाउन, बीजिंग में 20 लाख लोगों की जांच

बीजिंग। चीन की सरकार ने शीतकालीन ओलंपिक से पहले कोविड-19 वैश्विक महामारी के बढ़ते प्रकोप के कारण शिआन शहर में करीब एक महीने से जारी लॉकडाउन को अब हटा दिया है। शहर की आबादी करीब 1.3 करोड़ है। इस बीच, बीजिंग के एक जिले में करीब 20 लाख लोगों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई।

सरकार ने फेंगताई जिले और 14 अन्य स्थानों पर संक्रमण के 25 मामले सामने आने के बाद बीजिंग के उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के लोगों को शहर ना छोड़ने को कहा है। फेंगताई के लोग बर्फ से ढके फुटपाथों पर कड़कड़ाती ठंड में जांच के लिए कतारों में खड़े दिखे।

चीन में शीतकालीन ओलंपिक को कड़े दिशानिर्देशों के बीच आयोजित किया जा रहा है। इसमें एथलीट, कर्मचारियों, पत्रकारों और अधिकारियों को पृथक रखा जाएगा। इसमें हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों का कोविड-19 रोधी टीके लगवाना या चीन पहुंचने के बाद निश्चित अवधि के लिए पृथक रहना अनिवार्य है।

शिआन सरकार ने सोमवार को लॉकडाउन खत्म करने की घोषणा की। एक दिन पहले ही शहर से वाणिज्यिक उड़ानों की सेवाएं फिर से शुरू की गईं थी। शिआन में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने कोविड-19 को लेकर ''कतई बर्दाश्त नहीं करने'' की रणनीति अपनाई थी। इसके तहत एक भी मामला सामने आने पर, लॉकडाउन, यात्रा प्रतिबंध और सामूहिक स्तर पर जांच अनिवार्य होती है।

शिआन, बीजिंग से लगभग एक हजार किलोमीटर (600 मील) दूर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है, जहां चार फरवरी से शीतकालीन ओलंपिक शुरू होने हैं। कोरोना वायरस के 'डेल्टा' स्वरूप के प्रकोप के बाद शहर में प्रवेश 22 दिसंबर से निलंबित कर दिया गया था।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चीन में सोमवार को स्थानीय स्तर पर कोविड-19 के केवल 18 नए मामले सामने आए, जिनमें से छह मामले बीजिंग में आए। देश में अभी 2,754 लोग उपचाराधीन हैं। चीन में अभी तक कोविड-19 के 1,05,660 मामले सामने आए हैं और संक्रमण से 4,636 लोगों की मौत हुई है। संक्रमण के मामलों में कमी आने के बाद भी ओलंपिक के मद्देनजर उपाय कड़े कर दिए गए हैं, जहां प्रतियोगिता के लिए बीजिंग आने वाले सभी लोगों की जांच की जाएगी।

आयोजकों ने सोमवार को बताया कि चार जनवरी के बाद से यहां पहुंचे 2,586 एथलीटों, टीम के अधिकारियों और अन्य लोगों में से 39 लोग बीजिंग हवाई अड्डे पर उतरने के बाद हुई जांच में संक्रमित पाए गए। वहीं, 33 अन्य लोग आम जनता से खिलाड़ियों को अलग रखने के लिए बनाई गई 'बबल' व्यवस्था में पहुंचने के बाद संक्रमित पाए गए।

अमेरिकी विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने भेदभाव रोधी नीति में जाति को शामिल करने का विरोध किया

वाशिंगटन। अमेरिका की प्रतिष्ठित 'कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी' के 80 से ज्यादा संकाय सदस्यों ने विश्वविद्यालय द्वारा हाल में भेदभाव रोधी नीति में 'जाति' को शामिल किए जाने का विरोध किया है और कहा है कि इससे भारतीय और दक्षिण एशियाई मूल के हिंदू संकाय सदस्यों को असंवैधानिक तौर पर लक्षित करके उनके साथ भेदभाव किया जाएगा।

कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी (सीएसयू) द्वारा हाल में घोषित की गई भेदभाव रोधी नीति में कहा गया है कि जाति के कारण उत्पीड़न का शिकार विद्यार्थी अब दलित विरोधी पक्षपात की शिकायत कर पाएंगे। कई छात्रों का दावा है कि उनके साथ नियमित रूप से पक्षपात किया जाता है।

दलित नागरिक अधिकार संगठन 'इक्वेलिटी लैब्स' के मुताबिक, दलित वे लोग होते हैं जो भारत की सामाजिक वर्ण व्यवस्था में सबसे नीचे समझे जाते हैं और उन्हें भेदभाव एवं हिंसा का शिकार होना पड़ता है। उन्हें भारत में 'अछूत' कहा जाता था। उसने कहा कि जाति के आधार पर किसी के साथ भेदभाव करना भारत में गैर कानूनी है लेकिन यह प्रथा जारी है, यहां तक कि अमेरिका में दक्षिण एशियाई प्रवासियों में भी यह चलन है।

सीएसयू के बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज़ को लिखे एक पत्र में भेदभाव रोधी नीति में जाति को शामिल करने का विरोध करते हुए संकाय सदस्यों ने कहा है कि नई नीति अल्पसंख्यक समुदाय को अनुचित रूप से निशाना बनाएगी। उन्होंने कहा कि एक विशिष्ट और पृथक संरक्षित श्रेणी के तौर पर जाति को शामिल किए जाने के बाद यह सिर्फ भारतीय और दक्षिण एशिया मूल के संकाय सदस्यों पर लागू होगा।

सीएसयू में अकाउंटटेंसी के प्रोफेसर प्रवीण सिन्हा ने कहा कि व्यापक नीतियों के अस्तित्व को देखते हुए जाति को शामिल करना दिग्भ्रमित करता है, जो पहले से ही विभिन्न तरीके के भेदभाव के खिलाफ संरक्षित है। उन्होंने कहा, ÷हम इस नए जोखिम का विरोध कर सकते हैं, जो सीएसयू ने हमारे सामने पेश किया है, क्योंकि उन्होंने एक श्रेणी को शामिल किया है जो सिर्फ भारतीय वंशावली से जुड़े लोगों से संबंधित है जैसे कि मैं और सीएसयू की व्यवस्था में शामिल हजारों अन्य संकाय सदस्य और विद्यार्थी।

एक समाचार विज्ञप्ति के मुताबिक, सीएसयू में भारतीय और दक्षिण एशियाई मूल के 600 से ज्यादा संकाय सदस्य हैं। सैन डिएगो राज्य विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग के प्रोफेसर सुनील कुमार ने कहा, भारतीय मूल का एक संकाय सदस्य होने के नाते, मैं अच्छी तरह से जानता हूं कि विभिन्न पृष्ठभूमि के कई छात्रों के लिए भेदभाव एक दैनिक वास्तविकता है और मौजूदा कानूनों एवं सीएसयू नीति के तहत ऐसी सभी शिकायतों को दूर करने के लिए एक मजबूत तंत्र है।

नॉर्वे में वार्ता ने तालिबान की मान्यता को लेकर नई बहस शुरू की

ओस्लो।

अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की अगुवाई में तालिबान के एक प्रतिनिधिमंडल ने पश्चिमी देश नॉर्वे की सरकार के अधिकारियों और अफगान नागरिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ ओस्लो में रविवार से तीन दिवसीय वार्ता शुरू की। अफगानिस्तान में बिगड़ती मानवीय स्थिति के बीच यह वार्ता हो रही है।

ये बैठक नॉर्वे की राजधानी ओस्लो के ऊपरी इलाके में बर्फ से ढके पहाड़ों पर बने एक होटल में हो रही है। अगस्त में तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद यह पहला मौका है जब उनके प्रतिनिधियों ने यूरोप में आधिकारिक बैठक की हैं। इससे पहले, उन्होंने रूस, ईरान, कतर, पाकिस्तान, चीन और तुर्कमेनिस्तान की यात्रा की है।

यह बैठक तालिबान के कब्जे से पहले अफगानिस्तान में मौजूद रहे उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के एक सदस्य देश नॉर्वे में हो रही है, ऐसे में इस बैठक ने इस बहस को फिर से छेड़ दिया है कि क्या यूरोपीय देश तालिबान सरकार को मान्यता देते हैं।

पाकिस्तान 20 भारतीय मछुआरे भारत को सौंपेगा

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान देश के जलक्षेत्र में कथित रूप से प्रवेश करने के कारण गिरफ्तार किए गए 20 भारतीय मछुआरों को सोमवार को वाघा बॉर्डर के जरिए भारत को सौंपेगा। एक वरिष्ठ कारागार अधिकारी ने यह जानकारी दी। कराची की लांडी जेल में रखे गए मछुआरों को मानवीय आधार पर रविवार को रिहा कर दिया गया।

'डॉन' समाचार पत्र के अनुसार, पुलिस उपाधीक्षक अजीम थेबो ने बताया कि सद्भावना के तहत इन 20 भारतीय मछुआरों की रिहाई के बाद इस जेल में अब 568 भारतीय मछुआरे हैं। रिहा किए गए इन मछुआरों को पाकिस्तानी जलक्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने और बिना अनुमति मछलियां पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन्हें सामाज कल्याण के लिए काम करने वाले संगठन 'ईधी फाउंडेशन' ने सड़क मार्ग से लाहौर तक पहुंचाया।

ईधी फाउंडेशन के प्रवक्ता ने कहा

कि संगठन मछुआरों के लाहौर तक जाने का खर्च वहन करेगा, जहां उन्हें भारत के सीमा सुरक्षा बल को सौंपा जाएगा। ईधी फाउंडेशन ने हर मछुआरे को सद्भावना के तहत पचास-पचास हजार रुपए भी दिए।

जेल में चार साल तक रहे मछुआरे भावेश भीका ने कहा कि वह जिस नौका पर सवार था, वह रात में बहकर पाकिस्तानी जलक्षेत्र में आ गई थी।

मुसलमान होने के कारण मंत्री पद से हटाने का महिला ब्रिटिश सांसद ने लगाया आरोप

लंदन।

ब्रिटिश सांसद नुसरत गनी ने रविवार को आरोप लगाया कि मुसलमान होने के कारण उनको फरवरी, 2020 में कंजरवेटिव पार्टी सरकार ने उन्हें मंत्री पद से हटाने दिया था। पाकिस्तान मूल की नुसरत के इस आरोप पर पार्टी के मुख्य सचेतक मार्क स्पेंसर ने ट्विटर पर एक बयान में कहा कि गनी के आरोप बिल्कुल झूठे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, उनका धर्म उनके साथियों को असहज बना रहा था।

49 वर्षीय गनी पूर्व प्रधानमंत्री थेरेसा की सरकार में वर्ष 2018 में परिवहन विभाग की कनिष्ठ मंत्री थी। फरवरी, 2020 में प्रधानमंत्री बोरिस जानसन सरकार के मंत्रिमंडल में फेरबदल के दौरान उन्हें मंत्री पद से दिया गया था।

गनी ने कहा कि मंत्रिमंडल में फेरबदल के बाद सचेतकों के साथ बैठक में मैंने पूछा था कि मुझे कैबिनेट से हटाने का क्या कारण है तब मुझसे कहा गया कि मेरे मुसलमान होने का मुद्दा उठाया गया। मुस्लिम महिला मंत्री से मंत्रिमंडलीय सहयोगी असहज हो रहे थे। इस बात की चिंता रखी गई कि मैं पार्टी के प्रति निष्ठावान नहीं हूं, क्योंकि मैंने इस्लाम से नफरत संबंधी आरोपों के खिलाफ पार्टी के बचाव के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए।

गनी के आरोपों पर पलटवार करते हुए कंजरवेटिव पार्टी के मुख्य सचेतक स्पेंसर ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए दूसरे सचेतकों को इस मामले में न घसीटा जाए, मैं खुद आगे बढ़कर कहना चाहता हूं कि सांसद गनी ने ये आरोप मुझ पर लगाए हैं। ये आरोप पूरी तरह झूठे और अवमानना के लिए विचार योग्य हैं। यह निराशाजनक है कि जब इस मुद्दे को गनी के समक्ष उठाया गया था, तो उन्होंने इसे कंजरवेटिव पार्टी के पास औपचारिक जांच के लिए भेजने से इनकार कर दिया था। प्रधानमंत्री जानसन ने इस्लामोफोबिया के आरोपों की जांच के लिए भारतवंशी एकेडमिक प्रोफेसर स्वर्ण सिंह के नेतृत्व में स्वतंत्र जांच समिति का गठन किया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि पार्टी के भीतर मुस्लिम विरोधी भावना उसके लिए समस्या बनी हुई है।

ईरानी मूल के ब्रिटिश शिक्षा मंत्री ने ट्वीट किया कि कंजरवेटिव पार्टी में इस्लामोफोबिया या नस्लवाद के लिए कोई जगह नहीं है। आरोपों की जांच होनी चाहिए। न्याय मंत्री डोमिनिक राब ने आरोपों को अति गंभीर बताया लेकिन औपचारिक शिकायत होने तक औपचारिक जांच की जरूरत से इनकार कर दिया।

यूएई ने अबू धाबी को निशाना बनाने के लिए भेजी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों को नष्ट किया

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने राजधानी अबू धाबी को निशाना बनाने के लिए हूती विद्रोही समूह द्वारा भेजी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों को सोमवार तड़के बीच में ही रोक दिया और नष्ट कर दिया। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

मंत्रालय ने बताया कि हमले में कोई हताहत नहीं हुआ है। रोकी गईं और नष्ट की गईं बैलिस्टिक मिसाइलों के अवशेष अबू धाबी के आसपास अलग-अलग इलाकों में गिरे।

रक्षा मंत्रालय ने ट्वीट किया, ''वायु सुरक्षा प्रणाली ने हूती आतंकवादियों द्वारा सोमवार को देश की ओर दागी गईं, दो बैलिस्टिक मिसाइलों को रोक दिया और नष्ट कर दिया।''

सरकारी संवाद समिति 'डब्ल्यूएएम' की एक खबर के अनुसार, मंत्रालय ने कहा कि यूएई किसी भी तरह के खतरे से निपटने के लिए तैयार है और देश को सभी तरह के हमलों से

बचाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। मंत्रालय ने जनता से केवल देश में आधिकारिक समाचार स्रोतों की जानकारी पर भरोसा करने का आह्वान किया है।

यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा अबू धाबी में पेट्रोलियम डिपो और देश के प्रमुख हवाई अड्डे पर हमला करने के एक हफ्ते बाद यह हमला किया गया है।

संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में 17 जनवरी सुबह मुसाफ्फा आईसीएडी-3 क्षेत्र और अबू धाबी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नव निर्माण क्षेत्र को निशाना बनाया था। तीन पेट्रोलियम टैंकर में हुए विस्फोट में दो भारतीय और एक पाकिस्तानी नागरिक की मौत हो गई थी, जबकि छह अन्य लोग घायल हो गए थे।

संयुक्त अरब अमीरात ने यमन के हूती विद्रोहियों को हमले के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि निशाना बनाकर किए गए इस हमले के लिए बख्शा नहीं जाएगा।

यूएई के विदेश मंत्रालय तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय के एक बयान में कहा गया, ''यूएई के पास इन आतंकवादी हमलों और आपराधिक कृत्यों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार है।''

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अबू धाबी में हुए हमले की शुक्रवार को कड़ी निंदा की थी और पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

इस 15 सदस्यीय परिषद ने एक बयान जारी करते हुए 17 जनवरी को अबू धाबी में और सऊदी अरब में अन्य स्थानों पर हुए हमले को ''भयावह आतंकवादी हमला'' करार दिया था।

बयान में कहा गया, ''सुरक्षा परिषद के सदस्यों ने हूती हमलों के पीड़ितों के परिवारों और भारत तथा पाकिस्तान की सरकारों के प्रति अपनी गहरी सहानुभूति एवं संवेदना व्यक्त की है और वे घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।''

परिषद के सदस्यों ने दोहराया कि आतंकवाद अपने सभी रूपों में अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरों में से एक है।

संयुक्त अरब अमीरात सरकार ने 17 जनवरी के हमले के कुछ दिन बाद, खाड़ी देश में निजी ड्रोन और हल्के 'स्पोर्ट्स' विमानों के संचालन पर एक महीने के लिए प्रतिबंध लगा दिया। बयान के अनुसार, प्रतिबंध में हवाई एवं समुद्र स्थलों को भी शामिल किया गया है। यमन के हूती विद्रोहियों ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी। यूएई, यमन में सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा है, जो हूती विद्रोहियों का मुकाबला कर रहा है।

बुर्किना फासो में राष्ट्रपति के आवास के पास गोलीबारी

औगाडोउगोउ।

बुर्किना फासो के राष्ट्रपति रोच मार्क क्रिश्चियन काबोरे के आवास के पास रविवार देर रात गोलियों की आवाज सुनी गई। इससे पहले विद्रोही सैनिकों ने दिन में एक सैन्य अड्डे पर कब्जा कर लिया था, जिससे अब देश में सैन्य तख्तापलट की आशंका बढ़ गई है।

सरकारी अधिकारियों ने लोगों को आश्वस्त करने की कोशिश की थी कि सेना के अड्डे पर घंटों गोलियां चलने के बावजूद स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन दिन के अंत में विद्रोहियों का समर्थन कर रहे सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों ने काबोरे की पार्टी की एक इमारत में भी आग लगा दी।

इस बीच, राष्ट्रपति काबोरे के आवास के पास रविवार देर रात

गोलियों की आवाज सुनी गई। अभी तत्काल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि घटना के समय काबोरे घर पर थे या नहीं। इलाके में मौजूद कई लोगों ने 'एसोसिएटेड प्रेस' (एपी) को बताया कि गोलियों की आवाज के आलावा हेलीकॉप्टर की आवाजें भी वहां सुनी गई।

एक विद्रोही सैनिक ने 'एपी' को फोन पर बताया कि राष्ट्रपति भवन के पास भारी संघर्ष जारी है। यह एक ऐसा दावा है, जिसकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की जा सकती।

देश में इस्लामी चरमपंथ से सरकार के निपटने के तौर-तरीकों को लेकर हफ्तों से बढ़ते असंतोष के बाद काबोरे के इस्तीफे का आह्वान करते हुए रविवार को भारी प्रदर्शन किया गया था। सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों ने विद्रोही सैनिकों को सार्वजनिक समर्थन दिया, जिससे सुरक्षा बलों को राजधानी में भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागने पड़े।

शरजील इमाम पर चलेगा देशद्रोह का केस

CAA विरोधी आंदोलन के समय दिये थे भड़काऊ भाषण

नई दिल्ली। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत ने आरोप तय किए। शरजील इमाम पर देशद्रोह, धर्म, जाति, जन्म स्थान के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने और भारतीय दंड संहिता के तहत गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया गया है।

नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और दिल्ली के जामिया इलाके में कथित रूप से भड़काऊ भाषण देने से संबंधित मामले में दिल्ली की एक स्थानीय अदालत ने जेएनयू के पूर्व छात्र शरजील इमाम के खिलाफ सोमवार को आरोप तय कर दिये।

वीकेंड कर्फ्यू खोलने की मांग को लेकर एलजी की शरण में पहुंचे सदर के व्यापारी

दिल्ली का व्यापार खत्म होता जा रहा है: परमजीत सिंह पम्मा

नई दिल्ली। राजधानी में कोरोना संक्रमण के नए केसों की रफ्तार कम होने के चलते सीएम अरविंद केजरीवाल की ओर से Weekend curfew, odd-even रद्द प्रस्ताव उपराज्यपाल को भेजा गया था। जिसे एलजी साहब ने ठुकरा दिया। इसके लिए सदर बाजार के व्यापारी फेडरेशन ऑफ सदर ट्रेडर्स एसोसिएशन वाइस चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा की अध्यक्षता में प्रतिनिधि मंडल अध्यक्षता में उप राज्यपाल को ज्ञापन दिया।

जिसमें फेडरेशन के अध्यक्ष राकेश यादव वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतपाल सिंह मंगा, उपाध्यक्ष कमल कुमार, महासचिव राजेंद्र शर्मा,व्यापारी नेता दीपक मित्तल, गोपाल ग्रोवर शामिल थे।

इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा, राकेश यादव ने ज्ञापन में कहा हम आपके ध्यान में लाते हैं कि पिछले दो वर्षों में बाजारों में कई लॉक डाउन और अन्य प्रतिबंध लगे हैं, जिसने विशेष रूप से दिल्ली के सभी दुकानदारों के व्यापार को बहुत नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है, दिल्ली के व्यापारियों को पहले ही भारी वित्तीय नुकसान हुआ है। कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए बाजारों को बंद करना। जैसा कि आप जानते हैं कि पिछले महीने दिल्ली में कोरोना मामलों के बढ़ने के साथ ही दिल्ली में ऑड ईवन और वीकेंड कर्फ्यू लगाया गया था और अभी भी लागू है। बाजार बार-बार बंद होने से सारा कारोबार दिल्ली से बाहर एनसीआर के दूसरे बाजारों में जा रहा है।

पम्मा ने कहा दिल्ली के बाजारों पर लगाए गए इन नए प्रतिबंधों के कारण पिछले दो लॉकडाउन के कारण जो व्यवसाय पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाया था, वह चरमराने के कगार पर है।अगर महीने में सिर्फ 8-10 दिन ही दुकानें खुलेंगी तो कोई दुकानदार वेतन, बैंक ईएमआई, स्कूल फीस आदि का भुगतान कैसे कर सकता है और व्यापार में भारी गिरावट के कारण अन्य खर्च कैसे कर सकता है।

चूंकि नए संक्रमणों में तेजी से गिरावट आ रही है, इसलिए दुकानदारों और व्यापारियों को जो अपने व्यवसाय में नुकसान के कारण भारी संकट में हैं, उन्हें बहुत उम्मीद थी कि दिल्ली सरकार द्वारा उन्हें उठाने की सिफारिशों के बाद जल्द ही सभी प्रतिबंधों को हटा दिया जाएगा। . सतपाल सिंह मंगवा कमल कुमार ने कहा चूंकि आपके आदरणीय कार्यालय द्वारा प्रतिबंध हटाने की स्वीकृति को अस्वीकार कर दिया गया था, दिल्ली के दुकानदारों और व्यापारियों में बड़ी निराशा और निराशा की भावना है। उपरोक्त बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए हम आपसे प्रार्थना करते हैं कि कृपया कोरोना प्रोटोकॉल जैसे सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क पहनना आदि का सख्ती से पालन करते हुए बाजारों को पूरी तरह से फिर से खोलने का आदेश दें।

मुनक नहर के विकास के लिये चीफ सेक्रेटरी से मिले हरी किशन जिंदल

नई दिल्ली। कांग्रेस की श्रीमती शीला दीक्षित सरकार के समय में जब श्री राजकुमार चौहान जी मंत्री थे तब उन्होने इस नहर पर आउटर रिंग रोड से लेकर प्रेमबाडी पुल तक एलिवेटेड रोड बनाकर उसके नीचे पैदल पथ बनाकर व दोनो तरफ बागवानी लगाकर और नहर में कृत्रिम रुप से पानी डालकर स्थानीय निवासियों के लिये पिकनिक स्पाट की तरह विकसित करने की प्लानिंग थी, इस एलिवेटेड रोड बनने से पीतमपुरा व शालीमार बाग में रोड पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा और स्थानीय निवासियों को फायदा होगा, कांग्रेस की सरकार के समय में जब हरिशंकर गुप्ता वजीरपुर से विधायक थे और श्री कपिल सिब्बल जी केन्द्रीय मंत्री थे उनके प्रयास से केशवपुरम मेट्रो स्टेशन के पास अशोक विहार तक फुट ब्रिज बनाया गया था, उसके बाद सरकार ने इस पर ध्यान नही दिया।

केजरीवाल ने चुनावी राज्यों के लिए 'एक मौका केजरीवाल को' अभियान किया शुरू

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को चुनावी राज्यों के लिए एक अभियान शुरू किया और इसके तहत दिल्लीवासियों से उन्होंने दिल्ली सरकार के अच्छे काम के वीडियो सोशल मीडिया मंच पर साझा करने की अपील की। केजरीवाल ने कहा कि उनकी सरकार ने मुफ्त बिजली तथा पानी उपलब्ध कराने जैसे कई अच्छे काम किए हैं। उन्होंने दिल्लीवासियों से कहा कि वे पंजाब, उत्तर प्रदेश, गोवा और उत्तराखंड के मतदाताओं से 'आप' को एक मौका देने का आग्रह करें। केजरीवाल ने 'एक मौका केजरीवाल को' अभियान की शुरुआत करते हुए कहा, ''दिल्ली सरकार के अच्छे कामों के वीडियो ट्विटर, इंस्टाग्राम और फेसबुक पर साझा करें और बताएं कि इससे आपको कैसे फायदा हुआ है।

दिल्ली के किसान त्रस्त हैं, मगर सीएम केवल चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं: चौ0 सुरेन्द्र सोलंकी

नई दिल्ली। भारी ठंड के बीच बेमौसम की बारिश से दिल्ली देहात के किसानों को भारी नुकसान पहुंचा है। इस बारे में पालम-360 के प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने बताया कि पिछले सीजन में लगातार बेमौसम की बारिश से पहले ही किसानों को भारी नुकसान पहुंचा था और अब ठंड के सीजन में भी लगातार बेमौसम की बारिश से सरसों और गेहूं की फसलें नष्ट हो गयी हैं। मैंने खुद दिल्ली देहात के गाँवों का दौरा किया है। यहाँ खेतों में चारो तरफ़ पानी भरे रहने होने के कारण दिल्ली देहात के किसान भविष्य को लेकर बेहद चिंतित हैं। मगर बड़े दुख की बात है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके सभी मंत्री दिल्ली के लोगों की मुश्किलों को अनदेखा करके अन्य राज्यों में चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं।

चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने बताया कि हमने पिछले सीजन में भी फसलों को हुए भारी नुकसान को देखते हुए दिल्ली सरकार से लगातार गुहार लगाई। मुख्यमंत्री जी से भी हमारी मीटिंग हुई और आखिरकार दिल्ली देहात के किसानों को मुआवजा दिए जाने पर सहमति बनी। दिल्ली सरकार की ओर से 50 हज़ार रुपये प्रति हेक्टेयर मुआवजे का ऐलान भी किया गया। मगर अब तक किसानों को वो घोषित मुआवजा भी नहीं मिला और ये महज़ कागजी ऐलान बनकर रह गया। अब फिर से लगातार बेमौसम की बारिश ने सरसों और गेहूं की फसलें भी चौपट कर दी है। दिल्ली सरकार की ओर से अब तक इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। हम दिल्ली के मुख्यमंत्री जी और आम आदमी पार्टी की सरकार से कहना चाहते हैं कि जल्द से जल्द पिछले मुआवजे का भुगतान किया जाए और लगातार दूसरे सीजन में किसानों को हुए भारी नुकसान को देखते हुए सरकार की ओर से उचित कदम उठाए जाएं। दिल्ली के लोगों ने ही आम आदमी पार्टी को सत्ता सौंपी है और अगर इसी तरह से दिल्ली देहात के किसान परिवारों की अनदेखी की जाएगी तो आने वाले एमसीडी के चुनाव में आम आदमी पार्टी को इसको इसका भारी खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

बच्चों के लिए तैयार हो स्कूल खोलने का फॉर्मूला: एप्सा

- एप्सा अध्यक्ष ने स्कूल खोले जाने के लिए एलजी को लिखा पत्र
- कहा, जब 15 से 18 वर्ष के बच्चों को लग रही वैक्सीन, फिर ऑड-इवन फॉर्मूले पर ही खोलें स्कूलदिया सामूहिकता की भावना से काम करने का संदेश

नई दिल्ली। एक तरफ 15 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों को वैक्सीन की डोज लगना शुरू हो गई है, तो वहीं दूसरी तरफ डब्ल्यूएचओ और यूनेस्को जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी लगातार कहती आ रही हैं कि छोटे बच्चों को कोविड से खतरा नहीं है और सरकार को स्कूल खोलने चाहिए। इन्हीं तर्कों के आधार पर अफोर्डेबल प्राइवेट स्कूल असोसिएशन (एप्सा) के अध्यक्ष लक्ष्य छाबड़िया ने दिल्ली के उपराज्यपाल को एक पत्र लिखकर तत्काल प्रभाव से स्कूल खोले जाने की मांग की है।

एप्सा अध्यक्ष लक्ष्य छाबड़िया ने सोमवार को उपराज्यपाल श्री अनिल बैजल को एक पत्र लिखकर दिल्ली के तमाम स्कूल खोले जाने की मांग की। उन्होंने पत्र में लिखा कि जब दिल्ली सरकार व्यापारियों और अन्य वर्गों को राहत देने के लिए ऑड-इवन फॉर्मूले का इस्तेमाल कर सकती है तो फिर स्कूली बच्चों के साथ ही भेदभाव और ज्यादती क्यों की जा रही है। दिल्ली में मार्च 2020 से स्कूल बंद हैं और बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास रुक गया है। घर बैठे-बैठे उनकी इम्युनिटी कमजोर हो रही है। उस पर परीक्षाओं का समय भी नजदीक आ गया है। ऐसे में बिना स्कूल खोले वे भविष्य के लिए कैसे तैयार हो पाएंगे।

लक्ष्य ने कहा कि सिर्फ एप्सा के अंतर्गत ही दिल्ली के 250 से अधिक स्कूल हैं। ये स्कूल ज्यादातर अनाधिकृत कॉलोनियों और स्लम एरिया में स्थित हैं। इन स्कूलों में 2।5 लाख से अधिक बच्चे पढ़ते हैं। इसके अलावा 10 हजार से अधिक शिक्षक यहां पढ़ाते हैं जबकि करीब 25 हजार अन्य कर्मचारियों का घर भी इन्ही स्कूलों से चलता है। लेकिन लंबे समय से स्कूल बंद होने के चलते इन सभी का भविष्य अधर में लटका हुआ है। एप्सा अध्यक्ष ने इन सभी का भविष्य बचाने के लिए उपराज्यपाल से मांग की है कि वे तत्काल प्रभाव से सभी स्कूल खोलने का आदेश दें।

'सफारी इंडिया' के साथ मिलेगा जंगल की अद्भुत यात्रा पर जाने का मौका

नई दिल्ली। जी जेस्ट पर अपनी तरह के पहले शो 'सफारी इंडिया' पर अभिनेता रणविजय सिंह के साथ भारत के कुछ प्रमुख राष्ट्रीय उद्यानों की साहसिक, मनोरंजक और रोमांचकारी यात्रा का आनंद मिलेगा। सफारी इंडिया की आठ-भाग वाली टैम्पोल श्रृंखला के माध्यम से भारत के सात प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यानों की यात्रा करने और इन उद्यानों में काम करने वाले लोगों को जानने का मौका मिलेगा।

सफारी इंडिया में मेजबान रणविजय के साथ जंगल में रहने वाले जन-जीवों का पता लगाकर, घने उष्णकटिबंधीय जंगलों में ट्रैकिंग कर और खतरनाक नदियों को पार कर जंगल के अनछुए पहलुओं को छूने का प्रयास होगा।

सफारी इंडिया के माध्यम से सात राष्ट्रीय उद्यानों नैनीताल के लोकप्रिय जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान, असम में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, अरुणाचल प्रदेश में पक्के टाइगर रिजर्व, राजस्थान में रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान, गुजरात में गिर राष्ट्रीय उद्यान, गोवा में नेत्रावली वन्यजीव अभयारण्य और कर्नाटक में दुबारे हाथी शिविर को जानने का मौका मिलेगा।

इन राष्ट्रीय उद्यानों से गुजरते हुए मेजबान रणविजय कई वन संरक्षकों और इन उद्यानों के कर्मचारियों से बातचीत करेंगे, उनके विभिन्न वन्यजीव संरक्षण विधियों के बारे में जानेंगे। वह आधुनिक तकनीक के उपयोग के बारे में भी जानेंगे, पुनर्वास केंद्रों व पशु कानून जानने के साथ साथ इन संरक्षण पार्कों में और भी बहुत कुछ करते हुए दिखाई देंगे।

सफारी इंडिया से अपने अनुभव को साझा करते हुए, होस्ट रणविजय सिंह कहते हैं, सफारी इंडिया मेरे लिए इस साल का सबसे साहसिक और रोमांचकारी अनुभव था। यह अद्भुत और जीवन का अनुभव प्रदान करने वाली श्रृंखला रही। मैंने कई वन संरक्षकों के साथ बातचीत की और हमारे वन्यजीवों के संरक्षण की दिशा में उनके द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में जाना।

श्रीमती सुप्रिया श्रीनेत ने पत्रकारों को संबोधित कर की बड़ी मांग!

नई दिल्ली। श्रीमती सुप्रिया श्रीनेत ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सबको मेरा नमस्कार। आने के लिए बहुत-बहुत शुक्रिया और आशा करती हूं कि आप सब लोग सुरक्षित रह रहे होंगे कोविड के दौरान। इसी मंच से मेरे सहयोगी और सहकर्मी प्रो. गौरव वल्लभ ने हफ्ते पहले ऑक्सफैम की रिपोर्ट पर एक प्रेस वार्ता की थी और आज एक और रिपोर्ट आई है, आईसीई 360 सर्वे 2021 का, जिसको पिपुल रिसर्च ऑन इंडियास कंज्यूमर इकॉनमी ने किया है और ये दोनों ही रिपोर्ट एक बात बताती हैं कि इस देश में गरीब और गरीब होता जा रहा है, अमीर और अमीर होता जा रहा है और ये खाई इतनी बढ़ रही है कि ये भयावह स्थिति पैदा कर रही है। मैं इस रिपोर्ट के बारे में पहले बात करुंगी और ये किन कारणों से ऐसा हो रहा है, उसके बारे में भी हम चर्चा करेंगे।

सबसे पहले तो इस रिपोर्ट के मुताबिक आज इस देश की 20 प्रतिशत सबसे गरीब आबादी, मोटा-मोटा 15 करोड़ परिवारों की आय पिछले साल 53 प्रतिशत कम हो गई है और ये कम नहीं हुई है, 53 प्रतिशत आय पर मोदी सरकार ने सेंध लगाई है। ये 20 प्रतिशत सबसे गरीब आबादी, 15 करोड़ परिवार मोटा-मोटा की आबादी पर मोदी सरकार ने, सूट-बूट की सरकार ने सेंध लगाई है। ये 7 साल पहले भी सूट-बूट की सरकार थी और आज भी सूट-बूट की सरकार है और हम सबसे गरीब परिवारों की बात नहीं कर रहे हैं, इसमें जो लोअर-मिडिल कैटेगरी है, उसकी आय करीब-करीब 32 प्रतिशत कम हुई है, जो मिडिल इंकम कैटेगरी है, उसकी आय 9 प्रतिशत कम हुई है। तो मोटे तौर पर 60 प्रतिशत घरों की, 60 प्रतिशत जनता की आय पर मोदी सरकार ने डाका डालने का काम किया है और ये आय निरंतर कम होती जा रही है, इनके शासनकाल में।

इसी दौरान महत्वपूर्ण है ये समझना। इसी दौरान सबसे अमीरों की आय 40 प्रतिशत बढ़ी है और कुछ भी कहने से पहले मैं एक फिगर आपके सामने जरुर रखना चाहती हूं। 2005 से 2015 के बीच, वस्तुत- जो यूपीए का शासन काल था, उसमें 20 प्रतिशत जो सबसे गरीब हाउसहोल्ड थे, जो सबसे गरीब परिवार थे, उनकी आय 183 प्रतिशत बढ़ी थी। तो एक शासनकाल में 183 प्रतिशत बढ़ी है और एक शासनकाल में आय आधी हो गई है, 53 प्रतिशत होना, मतलब पांच साल में आय आधी हो गई है और ये क्यों हुआ है, क्योंकि सूट-बूट की सरकार अमीरों से प्यार करती है और गरीबों पर अत्याचार करती है।

उपराज्यपाल ने राष्ट्रीय समर स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने सोमवार को इंडिया गेट स्थित राष्ट्रीय समर स्मारक पर जा कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बैजल सुबह 9:45 बजे स्मारक पर पहुंचे और गणतंत्र दिवस से पहले शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

मोहन गार्डन और आसपास के हजारों छात्रों ने लगवाई वैक्सीन

पश्चिमी दिल्ली के उप-शिक्षा निदेशक ने वैक्सीनेशन केंद्र का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के मोहन गार्डन स्थित कमल मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 15 से 18 वर्ष के बच्चों के लिए दो दिवसीय वैक्सीनेशन केंद्र का आयोजन किया गया। इस वैक्सीनेशन केंद्र का उद्घाटन पश्चिमी दिल्ली के उप-शिक्षा निदेशक डॉ. वाई मार्का ने किया। इस अवसर पर कमल मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के चेयरमैन डॉ. वी पी टंडन, प्रधानाचार्य डॉ. वंदना टंडन, सलाहकार व पूर्व उप शिक्षा निदेशक एस के सारस्वत, शैक्षिक निदेशक प्रोमिला मिश्रा, प्रबंध निदेशक पुष्पा जिंदल व शिक्षाविद हेमंत गुप्ता भी उपस्थित थे। आयोजन के दौरान डॉ. वी पी टंडन ने बताया कि यह केंद्र सफलतापूर्वक संचालित हुआ। कमल मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, आसपास के अन्य स्कूलों व क्षेत्र में रहने वाले हजारों बच्चों ने इस सुविधा का लाभ प्राप्त किया। डॉ. टंडन ने सरकार के इस कदम को निकट भविष्य में स्कूलों के पूर्णरूप से क्रियान्वित होने की दिशा में सार्थक प्रयास बताया।

चार राज्यों में प्रचार के लिए केजरीवाल ने दिल्लीवासियों से मांगी मदद

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आगामी चार राज्यों के विधानसभा में प्रचार के लिए दिल्लीवासियों से मदद मांगी है। केजरीवाल ने दिल्ली वासियों से कहा है कि वे इन राज्यों में रहने वाले अपने परिचितों को दिल्ली सरकार की प्रशंसा वाली वीडियो बनाकर भेजें, जिससे इन राज्यों में रहने वाले लोगों को आम आदमी पार्टी की सरकार के कामकाज को लेकर जानकारी मिल सके। केजरीवाल ने कहा है कि जिन दिल्लीवासियों के वीडियो सबसे अधिक वायरल होंगे, ऐसे 50 लोगों से वह चुनाव के बाद डिनर पर मुलाकात करेंगे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा,मैं दिल्ली के लोगों से एक अपील करना चाहता हूं। पिछले 7 सालों में दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार ने ढेरों शानदार काम किए। इन कामों की चर्चा आज पूरी दुनिया में होती है। दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक देखने के लिए इंग्लैंड से लोग आए, दिल्ली का स्कूल देखने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति की पत्नी आई। दिल्ली में 24 घंटे फ्री बिजली मिलने लगी है। यह सब हम इसलिए कर पाए क्योंकि आपने दिल्ली के लोगों ने हमें एक मौका दिया।

केजरीवाल ने कहा कि आप हमें बार-बार चुन रहे हैं क्योंकि आप हमारे काम से खुश हैं। स्कूल, अस्पताल, बिजली, पानी, सड़के दिल्ली के लोगों को हमने खूब सुविधाएं दी हैं। अब क्या आप चाहते हैं कि जैसे दिल्ली में अच्छे काम हुए हैं वैसे ही अच्छे काम बाकी देश में भी होने चाहिए। बाकी देश के स्कूल, अस्पताल भी अच्छे होने चाहिए, बाकी देश में भी बिजली 24 घंटे होने चाहिए, बिजली पानी मुफ्त होने चाहिए।

केजरीवाल ने कहा कि हम दिल्ली में यह सब अच्छे काम कर पाए क्योंकि आपने दिल्ली के लोगों ने हमें एक मौका दिया। बाकी जगहों पर भी हम तभी अच्छा काम कर पाएंगे जब अन्य राज्यों के लोग भी हमें एक मौका देंगे।

केजरीवाल ने बताया कि हम एक कैंपेन शुरू कर रहे हैं कैंपेन का नाम है एक मौका केजरीवाल को। इस कैंपेन में दिल्ली के लोग यानी आप अपना एक वीडियो बनाकर दूसरे राज्य के लोगों को बताएंगे कि दिल्ली में क्या-क्या अच्छे काम हुए हैं। आप अपनी एक वीडियो बनाएं और बताएं कि आप को हमारे कौन से काम पसंद आए। आपको किस काम से क्या फायदा हुआ, कितना फायदा हुआ। आपकी कॉलोनी में मोहल्ला क्लीनिक खुला या नहीं।

वीडियो में बताएं कि क्लीनिक से कितना फायदा हुआ। क्या सरकारी स्कूल सुधरने से आपके या आपके जानने वाले के बच्चों को कोई फायदा हुआ।

कैट ने सीसीआई में एमेजॉन के खिलाफ मोर रिटेल के अमज़ोंन द्वारा अधिग्रहण की मंजूरी के खिलाफ एक याचिका दायर की

नई दिल्ली। अमेज़ॅन के प्रतिस्पर्धा अधिनियम के एक और खुले तौर पर उल्लंघन का पर्दाफाश करते हुए, कंफेडरक्शन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स(कैट) ने आज भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के समक्ष अमेज़न के खिलाफ एक शिकायत दर्ज की है, जिसमें अमेज़न सीसीआई से अवैध तरीके से धोखाधड़ी करके भारत में मोर रिटेल के स्टोर का अधिग्रहण करने के लिए अनुमोदन प्राप्त

करने की कोशिश कर रहा है , का खुलासा किया गया है।कैट ने कहा कि मोरे रिटेल पर स्वामित्व प्राप्त करने के मामले में, अमेज़ॅन ने वही धोखाधड़ी , और तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर गलत बयानी कर मामले में सीसीआई को गुमराह किया है, जैसा कि फ्यूचर रिटेल के अधिग्रहण के समय में किया था। यह भारत में खुदरा व्यापार और इन्वेंट्री-आधारित ई-कॉमर्स पर कब्जा करने के लिए धोखाधड़ी के तरीके से भारतीय खुदरा कंपनियों को नियंत्रित करने के लिए अमेज़ॅन के भयावह मंसूबों को उजागर करता है, जिससे व्यापारियों को भारी नुकसान होता है।

कैट ने याद दिलाते हुए कहा कि श्री बख्शी ने श्री जेफ बेजोस, अमेज़ॅन के सीईओ को 19.07.2019 में भेजे गए एक ईमेल में इस बात की पुष्टि होती है कि अमेज़ॅन ने मोर रिटेल लिमिटेड के अधिग्रहण में उसी संरचना को अपनाया है जैसा कि फ्यूचर रिटेल के मामले में अपनाया गया था। इससे ये बात उजागर होती है कि अमेज़ॅन ने मोर रिटेल के मामले में सीसीआई के साथ वही धोखाधड़ी की है जैसा की उसने फ्यूचर समूह के मामले में किया था।

कैट ने कहा कि अमेज़न ने समारा अल्टरनेट इन्वेस्टमेंट फंड (समारा एआईएफ) के माध्यम से मोर रिटेल का अधिग्रहण किया है, जो की विटज़िग एडवाइजरी एल एल पी में 51% इक्विटी का मालिक है, जो कि मोर रिटेल लिमिटेड का मालिक है।

कैट ने आगे कहा कि अमेज़न ने सीसीआई से मोर रिटेल लिमिटेड के अधिग्रहण पर दमन और चोरी का सहारा लेते हुए स्वीकृति प्राप्त कर ली है। जैसा कि फ्यूचर ग्रुप के मामले में किया गया थे । अमेज़ॅन ने सीसीआई के समक्ष ये रखा है कि (ए) अमेज़ॅन ने विट्जिग में केवल वित्तीय निवेश किया है। इसने मोर रिटेल में निवेश नहीं किया है; (बी) अमेज़ॅन ने मोर रिटेल लिमिटेड पर जो अधिकार हासिल किए हैं, वे केवल निवेश सुरक्षा अधिकार हैं और अमेज़ॅन की मोर रिटेल में कोई रणनीतिक रुचि नहीं है;

हालांकि, अमेज़ॅन ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि अमेज़ॅन या उसके सहयोगियों या उससे संबंधित पार्टियों ने निवेश की विदेशी परतों के माध्यम से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समारा एआईएफ में निवेश नहीं किया है, क्योंकि अमेज़ॅन ने वास्तव में समारा एआईएफ में निवेश किया है और इस फंड को नियंत्रित करता है। समारा फंड के माध्यम से फ्यूचर समूह को वित्तीय सहायता की अमेज़ॅन की पेशकश उनके झूठ और धोखाधड़ी का प्रमाण है कि वे समारा एआईएफ के माध्यम से मोर रिटेल लिमिटेड को नियंत्रित नहीं करते हैं। अमेज़ॅन ने यही झूठ फ्यूचर समूह के मामले में सीसीआई को बोला है।

कैट ने आगे कहा कि मीडिया रिपोर्टों से साफ संकेत मिलता है कि अमेज़ॅन ने भारत में समारा के माध्यम से फ्यूचर की मदद करने के लिए एक फर्जी पेशकश की है, जो की भारत उसकी व्यावसायिक गतिविधियों को गैर कानूनी तरीके से संचालित करने के अपने इरादे को उजागर करता है।जबकि वो अच्छी तरह से जानता है कि अमेज़ॅन एफआरएल (एक मल्टी-ब्रांड) में सीधे या अपने बेनामी फंड के माध्यम से निवेश नहीं कर सकता है।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बी सी भरतिया और राष्ट्रीय महामंत्री श्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि कैट ने अपने पत्र के माध्यम से अमेज़ॅन के प्रतिस्पर्धा अधिनियम के खुले तौर पर उल्लंघन को उजागर किया है और ये भी बताया गया है कि कैसे अमेज़ॅन ने छल से मोर रिटेल लिमिटेड में अपने निवेश के लिए सीसीआई से मंजूरी प्राप्त की ।

कैट ने सीसीआई के लिए अमेज़ॅन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए आवश्यक सभी सबूत पेश किए हैं, जैसे फ्यूचर रिटेल लिमिटेड के मामले में सीसीआई द्वारा अमेज़ॅन के खिलाफ पारित आदेश के समय किया था।

दलित पिछड़ों की राजनीति करने वाले सभी दलों और उनके नेताओं ने कांग्रेस के खिलाफ ही सारा माहौल बनाया है। मगर फिर भी रोहित वेमुला का सबसे दमदारी से समर्थन करने वाले राहुल गांधी ही हैं। उनकी हिम्मत है कि वे इसे हत्या कहते हैं। दलित पिछड़ों को मुसलमान के नाम पर एकजुट कर लिया जाता है। वे समझते हैं कि असली दुश्मन मुसलमान है। मगर वे यह भूल जाते हैं कि असली निशाना वही हैं। मुसलमानों के पास क्या है जो संघ और भाजपा लेगी? न नौकरियां, न उनकी सामाजिक स्थिति में कोई परिवर्तन।

बाकी सब बहाना है संविधान ही असली निशाना है

शकील अख्तर

इन दोनों नेताओं की विवश छवि बनने से दलित पिछड़ों का सबसे बड़ा नुकसान हुआ। कमजोर अपने नेता को ताकतवर देखना चाहता है। उसकी शक्ति में उसे अपनी मुक्ति की संभावनाएं दिखाई पड़ती हैं। मगर इन दोनों नेताओं के शरणागत होने के बाद पूरे देश में और खासतौर से यूपी में सामाजिक न्याय की गति स्थिर हुई है। लेकिन भाजपा और संघ परिवार इतने से संतुष्ट नहीं हैं। वे पूरी तरह मनुवादी व्यवस्था चाहते हैं। संविधान इसमें सबसे बड़ी बाधा है। जिसने सब को समान अधिकार दे दिए हैं। असली निशाना संविधान है। बाकी सब बहाना है। इस संविधान ने ही दलित, पिछड़े को समान अधिकार दिए हैं। जो सबसे ज्यादा चुभते हैं। दलित, पिछड़ों को उनकी पूर्व स्थिति पर लाना ही मुख्य उद्देश्य है। जहां उनके पास कोई कानूनी अधिकार नहीं हों केवल यथास्थितिवादी समाज की व्यवस्था के अनुसार वे अपने सामाजिक दर्जे के अनुरूप रहें।

15 अगस्त 1947 बदलना थोड़ा मुश्किल है। हालांकि पद्मश्री माननीया कंगना रनौत जी कह चुकी हैं कि वह तो भीख में मिली आजादी थी। अंग्रेज इतने बड़े दिल के थे कि आजादी जैसी चीज भी भीख में दे देते थे। खैर तो कंगना जी ने कहा कि देश दरअसल 2014 में आजाद हुआ जब मोदी जी प्रधानमंत्री बने। तो बदलने को तो 15 अगस्त 1947 की तारीख भी है। मगर उसका नंबर शायद बाद में आएगा। पहले 26 जनवरी 1950 को मिटाना है। अभी हरिद्वार से लेकर रायपुर तक जो धर्म संसदें हुई उनमें संविधान पर सबसे ज्यादा हमले किए गए। 1977 में केन्द्र में जनता पार्टी की सरकार में तो संविधान बदलने की मुहिम ही सबसे पहले शुरू हुई थी। दो चीजों पर उस सरकार का सबसे ज्यादा फोकस था। एक स्वमूत्र पीने पर और दूसरे संविधान, तिरंगा बदलने पर। मगर उस समय इन्दिरा गांधी थीं। उन पर मुकदमे चलाए, गिरफ्तार किया। मगर वे कहां डरने वाली थीं। वे ही थीं जिन्होंने अमेरिका से कह दिया था कि सातवां नहीं आठवां या चाहे जोन सा समुद्री बेड़ा पहुंचा दो। बांग्ला देश में आजादी की ज्योति जलेगी।

वह आज भी जल रही है। और तब तक जलेगी जब तक अमेरिका, चीन या कोई और वापस पाकिस्तान और बांग्ला देश का विलय न करवा दें। और वह भी शर्त है कि यहां भारत में उस समय कांग्रेस की सरकार नहीं होना चाहिए। नहीं तो चाहे जो कीमत अदा करना पड़े राहुल गांधी या कोई और बांग्ला देश में जल रही भारत के वीर जवानों के शौर्य की उस ज्योति को नहीं बुझने देंगे। अभी राहुल ने कह दिया। बड़ी बात कही कि इंडिया गेट पर अमर जवान ज्योति फिर जलाएंगे। आज सब जगह डर का माहौल है। कोई कुछ नहीं बोलेगा। मगर राहुल के यह विश्वास भरे शब्द भारतीय फौज, शहीदों के परिवारों से लेकर देश के अनगिनत लोगों के लिए बहुत बड़ी हिम्मत का काम करेंगे।

अमर जवान ज्योति का तो हिन्दू मुसलमान से कोई ताल्लुक नहीं था। सिर्फ और सिर्फ भारतीय सेना के शौर्य और विजय से उंचे उठे गर्वित सिर से था। मगर उसे बुझा दिया। कहा विलय कर रहे हैं। जैसे खेती किसानी का पूंजीपतियों की हवस के साथ कर रहे थे। देश ने वह भी कामयाब नहीं होने दिया। और यह भी नहीं होगा। डर के उन शिखर क्षणों में भी किसान नहीं घबराया। कुर्बानियां दीं। मगर अंत में प्रधानमंत्री से माफी मंगवा ही ली। किसानों के बाद अब जवानों की शहादत का अपमान है। इसका बदला जनता को लेना होगा।

कौन सी जनता? वही दलित, पिछड़े जिनका सशक्तिकरण सबसे ज्यादा तकलीफ पहुंचाता है। देश में पिछले साढ़े सात साल से जो हिन्दू मुसलमान बढ़ाया जा रहा है। वह सबके सामने है। दिखता है। मगर इससे कई गुना ज्यादा देश में आरक्षण के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। जिसके बारे में मीडिया बताता नहीं है। मीडिया का इसे हंड्रेड परसेन्ट समर्थन प्राप्त है। हिन्दू मुसलमान में तो मीडिया का एक हिस्सा धर्मनिरपेक्ष करेक्टर दिखाता भी है। मगर आरक्षण के मामले में वह पूरी तरह आरक्षण विरोधियों के साथ है।

आरक्षण अपने आप में कुछ नहीं है। बल्कि वह एक पूरा पैकेज है। जिसका मतलब पूरे दलित और पिछड़े समाज पर अयोग्यता का आरोप लगाना है। अभी पीजी नीट के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि आरक्षण योग्यता के खिलाफ नहीं है। मगर इससे उनके अभियान पर कोई असर नहीं होगा। आरक्षण सामाजिक न्याय है। यह पहले भी कई बार कहा गया। मगर जनता में मैसेज यह दिया जाता है कि आरक्षण बैसाखी है। जो सवर्ण समाज की योग्यता पर डाका है। मगर यह सब काम बहुत चोरी छिपे किया जाता है। क्योंकि जैसा कि अभी यूपी में चुनाव की पूरी साम्प्रदायिक धारा बदलते हुए स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि हम दलित, पिछड़े, बहुजन 85 प्रतिशत हैं। और जो बाकी 15 प्रतिशत हैं। उनमें भी बंटवारा है। मतलब उनमें भी प्रगतिशील, जनसमर्थक और देश की वास्तविक चिंता करने वाले लोग 85 प्रतिशत के साथ हैं। इसीलिए अखिलेश यादव ने चुनाव जीतते ही जातिगत जनगणना की घोषणा कर दी है।

बिहार में भाजपा के सहयोग से सरकार चलाने के बावजूद नीतीश कुमार सब पार्टियों के साथ जाकर प्रधानमंत्री से इसकी मांग कर आए हैं। आज मायावती ने बसपा को बहुत कमजोर कर दिया। मगर यह नारा बसपा के संस्थापक कांशीराम जी ने ही दिया था कि जिसकी जितनी भागीदारी उसकी उतनी हिस्सेदारी। इसी के बाद मायवती को भरपूर समर्थन मिला। हर धर्म, जाति का। ब्राह्मणों का भी और 2007 में पहली बार उन्होंने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। मगर जैसे 2002 से 07 के दौरान अमर सिंह ने मुलायम की सरकार भ्रष्ट कर दी थी वैसी ही सतीश चन्द्र मिश्रा ने मायावती सरकार की। न उसके बाद मुलायम अपना जलवा कभी वापस बना पाए और न ही मायावती। दोनों स्वाभाविक नेता थे। और जनता ऐसे नेताओं को किसी पर निर्भर नहीं देख सकती।

इन दोनों नेताओं की विवश छवि बनने से दलित पिछड़ों का सबसे बड़ा नुकसान हुआ। कमजोर अपने नेता को ताकतवर देखना चाहता है। उसकी शक्ति में उसे अपनी मुक्ति की संभावनाएं दिखाई पड़ती हैं। मगर इन दोनों नेताओं के शरणागत होने के बाद पूरे देश में और खासतौर से यूपी में सामाजिक न्याय की गति स्थिर हुई है। लेकिन भाजपा और संघ परिवार इतने से संतुष्ट नहीं हैं। वे पूरी तरह मनुवादी व्यवस्था चाहते हैं। संविधान इसमें सबसे बड़ी बाधा है। जिसने सब को समान अधिकार दे दिए हैं। न्याय कितना ही डरा हुआ हो मगर जैसा अभी डाक्टरों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण के पक्ष में कहा वैसा कभी कभी उसे कहना पड़ रहा है। संविधान में दी आरक्षण की व्यवस्था के कारण।

क्या आपको पता है कि संविधान में सबको समान अधिकार देने और इसकी पहली सीढ़ी सबको मताधिकार का कैसा विरोध हुआ था। वह नेहरू ही थे जो इसी वजह से आज भी आंखों में खटकते हैं जिन्होंने संविधान सभा में कहा था कि ये गरीब, कमजोर, अनपढ़, कम पढ़े लिखे लोग ही हैं जिन्होंने आजादी के लिए कुर्बानियां दीं। पढ़े लिखे लोग, जमींदार, समर्थ अंग्रेजों का साथ दे रहे थे। बता दें कि सबको मताधिकार देने का विरोध डा राजेन्द्र प्रसाद कर रहे थे। जिसका पुरजोर विरोध नेहरू ने किया और इन्श्योर किया कि मताधिकार सबको हो।

आज दलित, पिछड़े कांग्रेस को सबसे ज्यादा गालियां देते हैं। उनकी गलती भी नहीं हैं।

सम्पादकीय

वर्ण व्यवस्था का दंश झेलती अनुसूचित जाति

डा. राजन तनवर

वर्ण व्यवस्था की जातीय पृष्ठभूमि का दंश स्वातंत्र्योत्तर भारत में भी विकराल रूप धारण किए हुए है। यह ऐसा बीज है कि शायद ही इसका समूल नाश कभी संभव हो सके। जातीय आधार पर इनसानों से भेदभाव का क्रम मनुष्यों के सभ्य होते ही पनप गया था। मनु महाराज की विखंडन कारी विकृत सोच ने इनसानों को इनसान न समझने का पाठ पढ़ाया जिसका खमियाजा भारतवर्ष की हजारों जातियां युगों-युगों से झेलती आ रही हैं। महात्मा कबीर के निराकार ईश्वरीय पैगाम ने समस्त हिंदुओं एवं मुस्लिमों को अपनी वाणी के माध्यम से सुधारवादी संदेश देकर चेताने का प्रयास किया, किंतु तत्कालीन एवं वर्तमान रूढ़िवादी मानसिक विचारधारा के धनियों ने तथागत महात्मा बुद्ध के जीवन दर्शन की भांति उनके निराकार ईश्वरीय संदेश को भी समाज में पनपने नहीं दिया क्योंकि इनकी युगों-युगों से चली आ रही ठगने की दुकानदारी बंद होती प्रतीत होती थी। जिस समाज में इनसान को इनसान न समझा जाता हो, पशुओं से बदतर तरीके से उसे हांका जाता हो।

कुत्तों-बिल्लियों को पास बैठाकर सहलाया जाता हो और इनसान को दुत्कारा जाता हो, उसे जूठन तक सम्मान से न दी जाती हो, ऐसे समाज से क्या सामाजिक समानता की अपेक्षा की जा सकती थी? ऐसी ही घृणित सोच का शिकार हिमाचल प्रदेश एवं भारतवर्ष के अन्य राज्यों में जीवन संघर्ष करती कबीरपंथी जाति भी है जिसे जुलाहा तथा चनाल अनुसूचित जाति के नाम से भी जाना जाता है। यद्यपि महात्मा कबीर जैसे महानतम सामाजिक सुधारवादी संत शिरोमणि का संबंध भी इसी अनुसूचित उपजाति से रहा है। आरंभिक दौर में यह अनुसूचित जाति काम के बदले थोड़ा बहुत अनाज मिल जाने से अपना जीवन बसर करती थी। सूत कातना, बुनना, सूत के कपड़े सिलना तथा मूंजी (एक प्रकार का घास) से रस्सियों को बनाना इसका मुख्य व्यवसाय था। जिसके बदले फसल आने पर स्याथा प्रथा पद्धति के अनुसार इन्हें अनाज प्रदान किया जाता था। मंडी जिला की एक घटना के अनुसार एक सूत कातने वाले कारीगर ने स्थानीय राजा को एक ऐसा सूत का बनाया हुआ बटुआ (पर्स) तैयार किया था जिसमें से केवल राजा ही धन निकाल सकते थे। कारीगर की कार्यकुशलता से प्रसन्न होकर राजा ने उसे भूमि दान तक कर की थी।

प्यारे व्यापारी भाइयों

दिल्ली की 2 करोड़ जनता में करीब करीब 7 लाख छोटे बड़े व्यापारी है और इनमें से अधिकतम दुकानदार है। हर व्यापारी के साथ लगभग 4 कर्मचारी जुड़े है और उन चार कर्मचारियों के परिवार जुड़े है। देखा जाए तो 75 लाख की जनसँख्या व्यापारियों के साथ जुड़े हुए है।

परंतु दिल्ली की समस्त राजनीतिक पार्टियां इन व्यापारियों को नज़रंदाज़ करके चल रही है। 2005 - 6 से लगातार व्यापारियों की उपेक्षा की जाती रही है। 2006 में लैंड मिसयूज के लिए सीलिंग , फिर कॉन्वेरजन और पार्किंग का बोझ , प्रदूषण के चक्कर मे फैक्टरियों की सीलिंग , सरकारी विभाग के भ्रष्टाचार से त्रस्त , एम सी डी , लेबर, नाप तोल, पुलिस से झुजता हुआ व्यापारी जो बिजली के 19 रुपये यूनिट भरता है। लाखो रुपये के ज़ी एस टी और आयकर भरने के साथ व्यापारी वर्ग असहाय सा रह गया है । कोई भी राजनीतिक पार्टी इस वर्ग की सुध नही ले रही सिवाय राजनीति करने और रोटियां सेंकने के।

चंदर भूषण गुप्ता

कारण क्या है सिर्फ एक ही कारण है के हम लोग संगठित नहीं है।

पिछले कई वर्षों से दिल्ली के व्यापार को अदृश्य तरीको से नीचा दिखाने की कोशिश की जा रही है, संगठित व्यापार की प्रतिस्पर्धा में अपने वोट बैंक और सरकारी विभागों के लिए कमाई का साधन बनाने के लिए सड़कों पर रेहड़ी पर्ट्री और बड़ी कपनियों के लिए मॉल्स खड़े किए गए। जिससे मध्यम व्यापारी वर्ग पर लगातार आघात हो रहा है।

वर्तमान में ही देखिए समस्त भारत का व्यापारी व्यापार कर रहा है सिवाय दिल्ली के ।

छोटा बड़ा दुकानदार, रेस्टोरेंट, बार, जिम, बैंकट सब बन्द है। दिल्ही का व्यापार पड़ोसी राज्यों में शिफ्ट हो रहा है। बीते 2 सालों में लगभग 7 महीने व्यापार पूर्ण या आंशिक रूप से बन्द रहा । लेकिन किसी व्यापारी संघठन की आंख नही खुल रही है। किसी राजनीतिक पार्टी को व्यापारी वर्ग का दुख नही दिख रहा।

सभी राजनीतिक पार्टियां एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगा कर रोटियां सेंक रही है।

अपने व्यापार को सुचारू रूप से खोलने के लिए हमे सब को संगठित होना चाहिए और संगठित रूप से संघर्ष करते हुए आवाज़ उठानी चाहिए।

राज्य सरकार, गवर्नर और केंद्र सरकार को चेतावनी देनी चाहिए कि यदि दिल्ही को ओड इवन और सप्ताह अंत के कर्फ्यू से जल्दी निजात न दी गई तो दिल्ली का व्यापारी सड़कों पर संघर्ष करेगा उसके लिए आप तैयार रहें।

चीन से व्यापार घाटे की चुनौती

डा. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 13 जनवरी को भारत और चीन के बीच 14वें दौर की वार्ता चीन के अड़ियल रवैये के कारण असफल होने के बाद भारत-चीन संबंधों पर प्रकाशित हो रही रिपोर्टों में इस बात पर हैरानी प्रस्तुत की जा रही है कि जहां पिछले वर्ष 2021 में लगातार सीमाओं पर चीन की क्रूर आक्रामकता दिखाई दी, वहीं वर्ष 2021 में चीन से सामानों का रिकॉर्ड आयात हुआ और चीन से व्यापार घाटा भी छलांगे लगाकर बढ़ते हुए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। सचमुच यह चिंताजनक विचारणीय प्रश्न है कि जब पिछले वर्ष 2021 की शुरुआत से ही चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन ने अत्याधुनिक हथियारों के साथ 50-60 हजार सैनिक तैनात किए हुए हैं, अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत बताते हुए अरुणाचल प्रदेश के 15 स्थानों का चीनी एवं तिब्बती भाषा में नामकरण कर लिया है, चीन ने नया कानून द लैंड बॉर्डर लॉ लागू कर दिया है, चीन एलएसी के पार बुनियादी ढांचे का लगातार निर्माण कर रहा है, तब भी चीन से भारत में सामानों की आवक लगातार बढ़ती गई है। यदि हम दोनों देशों के बीच हाल ही में प्रस्तुत किए गए द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़ों को देखें तो पाते हैं कि जनवरी से नवंबर 2021 के बीच दोनों देशों में कुल 8.57 लाख करोड़ रुपए का रिकॉर्ड व्यापार हुआ, जो पिछले साल के मुकाबले 46.4 फीसदी ज्यादा है।

जहां भारत ने इन 11 महीनों की अवधि में चीन से 6.59 लाख करोड़ रुपए का रिकॉर्ड सामान खरीदा है, वह पिछले वर्ष 2020 के मुकाबले 49 फीसदी ज्यादा है। वहीं चीन को भारत ने 1.98 करोड़ रुपए मूल्य का सामान निर्यात किया है, जो पूववर्ती वर्ष की तुलना में 38.5 फीसदी ज्यादा है। इन 11 महीनों में चीन से व्यापार घाटा भी रिकॉर्ड स्तर 4.61 लाख करोड़ रुपए की ऊंचाई पर पहुंच गया है। यदि हम पिछले चार वर्षों के जनवरी से नवंबर तक के 11 महीनों के भारत-चीन व्यापार के आंकड़ों को देखें तो पाते हैं कि वर्ष 2017 में भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 4.45 लाख करोड़ रुपए था। यह वर्ष 2018 में घटकर 4.30 लाख करोड़ रुपए, वर्ष 2019 में घटकर 3.83 लाख करोड़ रुपए, वर्ष 2020 में घटकर 3.30 लाख करोड़ रहा। लेकिन 2021 में यह घाटा सर्वोच्च ऊंचाई पर पहुंच गया। वर्ष 2021 में चीन से भारत के आयात में हुई वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा चिकित्सा उपकरणों एवं दवाओं के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल का भी है। इस समय चीन से तेजी से आयात बढ़ना इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले छह-सात वर्षों से लगातार वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत अभियान के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के उपयोग की लहर को देश भर में आगे बढ़ाया है। चीन को आर्थिक चुनौती देने के लिए सरकार के द्वारा टिक टॉक सहित विभिन्न चीनी एप पर प्रतिबंध, चीनी सामान के आयात पर नियंत्रण कई चीनी सामान पर शुल्क वृद्धि, सरकारी विभागों में चीनी उत्पादों की जगह यथासंभव स्थानीय उत्पादों के उपयोग की प्रवृत्ति जैसे विभिन्न प्रयास किए गए हैं।

वर्ष 2019 और 2020 में चीन से तनाव के कारण देशभर में चीनी सामान का जोरदार बहिष्कार दिखाई दिया था। मेड इन इंडिया का बोलबाला था। स्थानीय उत्पादों के उपयोग की लहर का जोरदार असर था। रक्षाबंधन, जन्माष्टमी और गणेश चतुर्थी, नवदुर्गा, दशहरा और दीपावली जैसे त्योहारों में बाजार में भारतीय उत्पादों की बहुतायत थी और चीनी सामान बाजार में बहुत कम दिखाई दिए थे। भारत में चीन से होने वाले आयात में बड़ी गिरावट आने लगी थी। व्यापार घाटे में तेजी से कमी आने लगी थी। चीन ने इससे चिंतित होकर कई बार अपनी बौखलाहट भी जाहिर की थी। अब एक बार चीन को आर्थिक सबक देना जरूरी दिखाई दे रहा है। वस्तुतः 2021 में स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के अभियान की पैठ कुछ कम हुई। देश के कोने-कोने में लोग सस्ते चीनी उत्पादों को तेजी से खरीदते हुए दिखाई दिए। दुकानदार यह कहते हुए दिखाई दिए कि वे गुणवत्तापूर्ण भारतीय सामान ही बेचना चाहते हैं, पर भारतीय उत्पाद महंगे होने से अब अधिकांश ग्राहक चीन में निर्मित सस्ती वस्तुएं मांगते हैं। चीन ने उत्पादों को सस्ता व नया बनाने के लिए शोध व अन्य काम भी किए हैं। ऐसे में चीनी उत्पादों की खरीदी बढ़ गई है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि हम रणनीतिक रूप से आगे बढ़कर चीन से बढ़ते आयात और बढ़ते व्यापार घाटे के परिदृश्य को बहुत कुछ बदल सकते हैं। देश में अभी भी दवाई उद्योग, मोबाइल उद्योग, चिकित्सा उपकरण उद्योग, वाहन उद्योग तथा इलेक्ट्रिक जैसे कई उद्योग बहुत कुछ चीन से आयातित माल पर आधारित हैं। यद्यपि चीन के कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए पिछले एक-डेढ़ वर्ष में सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत 13 उद्योगों को करीब दो लाख करोड़ रुपए आवंटन के साथ प्रोत्साहन सुनिश्चित किए हैं। देश के कई उत्पादक चीन के कच्चे माल का विकल्प बनाने में सफल भी हुए हैं। लेकिन अब इन क्षेत्रों में अतिरिक्त निवेश की मांग पूरी की जानी होगी।

निश्चित रूप से स्थानीय बाजारों में चीनी उत्पादों को टक्कर देने और चीन से व्यापार घाटा और कम करने के लिए हमें उद्योग-कारोबार क्षेत्र की कमजोरियों को दूर करना होगा। हम देश में मेक इन इंडिया अभियान को आगे बढ़ाकर लोकल प्रॉडक्ट को ग्लोबल बना सकते हैं। सरकार के द्वारा स्वदेशी उत्पादों को चीनी उत्पादों से प्रतिस्पर्धी बनाने वाले सूक्ष्म आर्थिक सुधारों को लागू किया जाना होगा। भारतीय उद्योगों को चीन के मुकाबले में खड़ा करने के लिए शोध और नवाचार पर और अधिक ध्यान देना होगा। देश में लॉजिस्टिक सेवाओं की सरलता पर भी ध्यान बढ़ाया जाना होगा। देश की नई पीढ़ी चीन को आर्थिक चुनौती देने के लिए कोविड-19 के बाद की नई कार्य संस्कृति का नेतृत्व करना होगा। हम उम्मीद करें कि इस समय आजादी के 75वें साल में जब देश अमृत महोत्सव मना रहा है, तब एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता और चीनी सामान के आयात को नियंत्रित करने के लिए शुरू किया गया अभियान और अधिक उत्साहजनक रूप से आगे बढ़ाया जाएगा। हम उम्मीद करें कि चिकित्सा उपकरणों एवं दवाओं के निर्माण में इस्तेमाल में आने वाले कच्चे माल के अधिक व गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के लिए एक फरवरी को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले आगामी वर्ष 2022-23 के बजट में देश में लागू उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत अधिक आबंटन सुनिश्चित किया जाएगा और इन पदार्थों के आयात में कमी किए जाने के अधिकतम प्रयास होंगे। निश्चित रूप से इन सब उपायों से चीन पर आर्थिक दबाव बढ़ेगा। साथ ही स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन के साथ आत्मनिर्भर भारत ही चीन को आर्थिक टक्कर देने और चीन की महत्त्वाकांक्षाओं पर नियंत्रण का एक प्रभावी उपाय सिद्ध होगा।

असंतुष्ट कार्यकताओं को मनाने में जुटे हैं राजनैतिक दल

डा. रवीन्द्र अरजरिया

भारत गणराज्य के पांच राज्यों में चुनावी दुंदुभी बज चुकी है। राजनैतिक दलों ने धीरे-धीरे पत्ते खोलने शुरू कर दिये हैं। कार्यकर्ताओं के मन के अनुरूप प्रत्याशी देने की चुनौती लगभग सभी दलों के सामने है। जातिगत समीकरणों से लेकर क्षेत्रीय प्रभावों तक को तौला जा रहा है। सम्प्रदायवाद को भडकाने में लगे लोगों में से जहां ज्यादातर पर्दे के पीछे से आग लगा रहे हैं वहीं ओबैसी जैसे लोग खुलकर अपनों को लाभ देने की घोषणायें कर रहे हैं। पंजाब में तो देश को टुकडों में बांटने का जयघोष करने वाले कन्हैया कुमार और जातिगत राजनीति से सुर्खियों में आये हार्दिक पटेल तक को कांग्रेस ने चुनावी दायित्व सौंप दिये हैं।

परिवार के अतीत की दुहाई पर पार्टी ने युवाओं का एकमात्र दल बनकर उभरने की कबायत शुरू कर दी है। बहुजन समाज पार्टी आज भी दलितों के वोटबैंक पर इकलौता अधिकार मानती है। वहीं समाजवादी पार्टी अपने आलाकमान के जातिगत मतों के साथ-साथ मुसलमानों के समर्थन का भी दावा कर रही है। अकाली दल का गणित भी उनकी परम्परागत विचारधारा के पोषण से जुडा दिख रहा है तो आम आदमी पार्टी ने सत्ताधारी दलों के विरोध में विकल्प बनकर स्वयं को प्रस्तुत करना शुरू कर दिया है। हिन्दुत्व के मुद्दे को भुनाने का सूत्र आजमान में जुटी भारतीय जनता पार्टी अपनी केन्द्र सरकार की उपलब्धियां और उत्तर प्रदेश की माफिया विरोधी छवि को उजागर कर रही है। क्षेत्रीय दलों के अपने अलग समीकरण हैं। वे स्वयं के प्रभाव को भुनाने में लगे हैं।

चन्द जिलों में सिमटे ऐसे दल के मठाधीश अपने खास लोगों के साथ मिलकर बडी पार्टियों को करिश्माई जीत के सब्जबाग दिखा रहे हैं ताकि गठबंधन का लाभ मिल सके। यह सब तो पर्दे के पीछे से चल ही रहा है परन्तु दलबदल का तूफान देखकर पार्टियां अपने उम्मीदवारों की सूचियों पर सूचियां जारी करने लगे हैं। असन्तुष्टों को समझाने, सत्ता में पहुंचते ही उन्हें मलाईदार ओहदा देने तथा अन्य लाभों के लालच का मोहपाश फैंका जा रहा है। उत्तर प्रदेश में तो भाजपा ने खासतौर पर योगी की ब्राह्मण विरोधी छवि पर मरहम लगाने हेतु पिछली बार जीते ब्राह्मणों में से ज्यादातर लोगों को पुन: टिकिट दिया है।

ऐसा करके काम के आधार पर सम्मान देने की नीति का प्रदर्शन करके कार्यकर्ताओं के बिखराव को रोकने की कोशिश की जा रही है। मगर समाजवादी पार्टी ने योगी के गढ से ही एक दबंग ब्राह्मण नेता को अपने खेमे में शामिल करके खासी चुनौती प्रस्तुत की है। बहुजन समाज पार्टी की खामोशी अन्दर ही अन्दर गुल खिला रही है जिसे भारतीय जनता पार्टी के लिए हितकर कदापि नहीं कहा जा सकता। भाजपा के विरोधी खेमे को अपने झंडे के नीचे एकत्रित करने में जुटी ममता ने पूरे जोश-ओ-खरोश के साथ गोवा में दस्तक दी थी परन्तु समय के साथ वह एक गुबार ही साबित हुआ। पाकिस्तान के विरुध्द सर्जिकल स्ट्राइक को व्यवहारिक स्वरूप देने वाले मनोहर पर्रिकर के पुत्र उत्पल पर्रिकर ने गोवा में भाजपा से टिकिट न मिलने पर निर्दलीय चुनाव लडने की घोषणा कर दी थी किन्तु अब मनौती के बाद उनके स्वरों में बदलाव आता जा रहा है। मणिपुर के अपने मुद्दे हैं, लोगों की सोच है, और सीमापार से मिलने वाला लालच है। वहां पर चुनावी घमासान क्षेत्रीयता और सुविधात्मक मुद्दों पर केन्द्रित होकर रह गया है। अधिकारों की सुरक्षा को लेकर भी मणिपुरवासियों में खासा आक्रोश देखने को मिल रहा है। उत्तराखण्ड में जिस तरह से भाजपा सरकार ने बार-बार नेताओं के दायित्वों में हेरबदल किया, उससे ही पार्टी की घबडाहट सामने आ जाती है। तिस पर इस्लाम छोडकर वसीम रिजवा से जितेन्द्र नारायण त्यागी की पहचान प्राप्त करने वाले व्यक्ति की गिरफ्तारी ने देवभूमि की सत्ताधारी भाजपा की हिन्दुवादी विचारधारा की धज्जियां उडा दीं है। ऐसा ही काम छत्तीसगढ की सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी के इशारे पर बुंदेलखण्ड से गुपचुप ढंग से संत कालीचरण की गिरफ्तारी के दौरान हुआ था।

यानी जो काम गांधी के नाम पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को तिलांजलि देते हुए कांग्रेस ने किया था, वही काम भाजपा ने हेट स्पीच के नाम पर किया। भाजपा तो एक कदम आगे ही बढ गई और जितेन्द्र नारायण त्यागी के मुख्य समर्थक यति नरसिंहानन्द को भी सलाखों के पीछे भेज दिया। यह सारा घटना क्रम भी भाजपा की छवि को कहीं न कहीं प्रभावित जरूर करेगा। आज देश का नागरिक धर्म के निजता वाले मुद्दे और जन्म के प्रकृतिजन्य कारकों पर अंध विश्वासी हो गया है। जीवन जीने की पध्दति को धार्मिक मर्यादाओं में बदल दिया गया है। गुरुग्राम में खुले में नमाज पर चिल्ला चोट हो रही है तो कोलकता में नवरात्रि के भगवती जागरण पर हंगामा। जेहाद के नाम पर विकृतियां परोसी जा रहीं है तो प्रतिक्रियात्मक उपायों को व्यवहार में लाया जा रहा है। अतीत की दुहाई पर वर्तमान में जंग छिड रही है और ऐसे में मौका परस्त लोग अपने पौ बारह करने में जुटे हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आपसी भाईचारे और शांति को राजनैतिक दलों के लालची नेताओं और धर्म के कथित ठेकेदारों ने ही चिंगारियां दिखायीं हैं। सत्ता सुख के काल्पनिक आनन्द के लिए समाज को लडवाने वाले षडयंत्रकारी आज लोगों की मानसिक कुण्ठाओं को कुरेद-कुरेद कर घाव बनाने में जुटे हैं। इतिहास गवाह है कि देश की धरती को बाह्य आक्रान्ताओं ने जमकर लूटा, सुख भोगा और खुलकर की मनमानियां। जबरन धर्म परिवर्तन जैसे कृत्य किये गये। मगर वह सब तो इतिहास के पन्नों में सिमटकर रह गया था। देश के लिए सुभाषचन्द बोस, रामप्रसाद बिस्मिल, चन्द्रशेखर आजाद, सरदार भगत सिंह, अशफाक उल्ला खां, रोशन सिंह जैसे भारत मां के सपूतों ने जंग छेडी, तब गोरी सरकार ने चाल चलकर फूट डालो, राज करो की नीति अपनाई।

इसी चाल की पुनरावृत्ति देश के विभाजन के दौरान भी की गई। जो हुआ सो हुआ। स्वतंत्रता के बाद तो देश की अपनी गंगा-जमुनी संस्कृति की पुनर्स्थापना हेतु संविधान की रचना होना चाहिए थी मगर गुलामी का बोध करने वाली अंग्रेजियत हावी होती चली गई। दुनिया में ऐसे अनेक देश है जिन्होंने गुलामी के बाद स्वयं की पुरातन परम्पराओं और संस्कृति की पुनर्स्थापना की और आज विकास के नये सोपान तय कर रहे हैं। तब के षडयंत्र आज नये रूप में फल-फूल रहे हैं। वही फूट डालो, राज करो का सिध्दान्त आजमाया जा रहा है। हिन्दुओं को मुसलमानों का डर दिखाकर और मुसलमानों को हिन्दु मानसिकता वालों से भयभीत करने का क्रम निरंतर चल रहा है। तिस पर हरामखोरी की डाली जाने वाली आदतें खाज को कोढ बनाने में जुटीं हैं। राजनैतिक लाभ सर्वोपरि हो गया है। मानवीय और सामाजिक मूल्य हासिये पर पहुंच गये है।

इन्हें रचनात्मक दिशा देने हेतु कुछ नया और क्रांतिकारी भरे करने की आवश्यकता है जबकि वर्तमान समय में विधानसभा के अन्दर विधायक को अपनी पार्टी लाइन पर ही काम करना होता है। व्यक्तिगत क्षमताओं के आधार पर वह क्षेत्रीय विकास को तो मूर्तरूप दे सकता है परन्तु सामान्य मुद्दों के लिए वह पार्टी के आदेशों का अक्षरश: पालन करने हेतु बाध्य होता है। ऐसे में जल्दी ही कुछ नया मिलने की संभावायें ज्यादा बलवती नहीं है मगर इस बार के चुनाव एक नये रूप मे होते जरूर दिखाई पड रहे हैं। फिलहाल तो असंतुष्ट कार्यकताओं को मनाने में जुटे हैं राजनैतिक दल। ऐसे में चुनावी सर्वेक्षणों के नाम पर एक नया खेला शुरू हो गया है, जो मतदाताओं को प्रभावित करने प्रयासों के रूप में देखा जा रहा है। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

जो लोग कोविड के दौरान आपके साथ नहीं खड़े थे, वे आपके दुश्मन हैं

सपा अव्यावहारिक वादे कर रही है क्योंकि वह चुनावों में अपनी आसन्न हार से अवगत है: योगी

■ गाजियाबाद

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि समाजवादी पार्टी नेतृत्व राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी आसन्न हार से अवगत है और इसलिए लोगों से बड़े और अव्यवहारिक वादे कर रहा है। सीएम योगी ने गाजियाबाद के मोहन नगर इलाके में घर-घर जाकर प्रचार किया और साहिबाबाद में बुद्धिजीवियों को संबोधित कर आगामी चुनाव में लोगों का समर्थन मांगा ।चुनाव प्रचार के दौरान उनके साथ जनरल वीके सिंह और कुछ अन्य नेता भी थे। साहिबाबाद में एक कार्यक्रम में बुद्धिजीवियों को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव पर कटाक्ष करते हुए, सीएम योगी ने कहा÷जो लोग सत्ता में रहते हुए लोगों को बिजली देने में विफल रहे, वे 300 यूनिट मुफ्त में देने का वादा कर रहे हैं क्योंकि वे अच्छी तरह से जानते हैं कि वे नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों से अपने वायदे को निभाने के लिए परेशान होने की जरूरत नहीं है। दरअसल, उन्हें अंधेरे में रहने की आदत है क्योंकि चोरों को चांदनी रात पसंद नहीं होती है।

सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दल कोविड महामारी के दौरान गायब हो गए थे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में विकसित दो टीकों पर लोगों को गुमराह करने में लगे हुए थे। उन्होंने कहा कि ÷भारत ने पीएम मोदी के नेतृत्व में कोविड प्रबंधन में दुनिया के लिए एक मिसाल कायम की है। यह प्रभावी प्रबंधन के कारण है कि अमेरिका की तुलना में चार गुना अधिक आबादी होने के बावजूद, भारत में महामारी के कारण अमेरिका से आधी मौतें हुई हैं। साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र के कृष्णा इंजीनियरिंग कालेज में आयोजित प्रभावी मतदाता संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि लोगों को इस तथ्य को पहचानना चाहिए कि जो लोग महामारी के दौरान उनके साथ नहीं खड़े थे और जिनके एजेंडे में विकास नहीं है, वे उनके असली दुश्मन हैं और उन्हें उनका समर्थन नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान यूपी सरकार 15 करोड़ लोगों को राशन की दोहरी खुराक देने के साथ-साथ कोविड रोगियों के लिए मुफ्त परीक्षण, मुफ्त टीका और मुफ्त इलाज प्रदान कर रही है, जबकि पिछली सरकार ने केवल माफियाओं और गैंगस्टरों की रक्षा की, जिन्होंने व्यापारियों, डॉक्टरों और गरीब लोगों की संपत्ति पर कब्जा किया।

सपा पर तीखा प्रहार करते ही उन्होंने कहा की उसने हिस्ट्रीशीटर और खूंखार गैंगस्टरों को टिकट दिया है। सपा रालोद गठबंधन ने ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया है जो कैराना से हिंदुओं के बड़े पैमाने पर पलायन के लिए जिम्मेदार था। उन्होंने कहा कि सपा ने बुलंदशहर, मुजफ्फरनगर, लोनी, अमरोहा और अन्य कई जगहों पर अपराधियों और दंगाइयों को टिकट दिया है। पेंशनभोगियों के मुद्दे पर बोलते हुए, सीएम योगी ने कहा कि राज्य सरकार ने नई पेंशन योजना के तहत 2017 से सरकारी कर्मचारियों के खातों में 10,000 करोड़ रुपये जमा किए हैं, जिसे पिछली सरकार ने 2004 से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि यह मुलायम सिंह यादव की सरकार थी जिसने सरकारी कर्मचारियों की पेंशन रोक दी थी। पिछली सरकार ने उनके बैंक खाते तक नहीं खोले थे। सीएम योगी ने कहा कि यूपी सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि अन्य राज्यों की तरह कोविड के दौरान किसी का वेतन नहीं काटा जाए और महामारी के दौरान लोगों के जीवन और आजीविका की रक्षा की जाए। पिछली सरकार पर तीखा हमला करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ÷जब हमने 2017 में सत्ता संभाली थी, तो हमने पहले तीन काम किए थे, अवैध बूचड़खानों को बंद करना, लड़कियों की रक्षा के लिए एंटी रोमियो स्क्वॉड बनाना और 86 लाख किसानों के 36000 करोड़ रुपये के ऋण माफ करना।÷ उन्होंने टिप्पणी की कि जब पिछली सरकार ने सत्ता संभाली, तो सबसे पहला काम उसने आतंकवादियों के खिलाफ मामले वापस लेने का किया। सीएम योगी ने कहा कि सपा को शोषण करने के लिए शक्ति चाहिए, जबकि भाजपा को राज्य के प्रत्येक व्यक्ति की सेवा करने के लिए शक्ति चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि यूपी को महिलाओं, गरीबों और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फिर से भाजपा सरकार की जरूरत है। भाजपा सरकार की जरूरत इसलिए है ताकि माफियाओं और गैंगस्टरों की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलता रहे।

घर से दवा लेने निकली किशोरी को डंपर ने मारा पीछे से धक्का हुई मौत

संवाददाता

मेजा प्रयागराज। घर से दवा लेने निकली किशोरी को पीछे से डंपर ने मारी जोरदार टक्कर जिससे किशोरी डंपर के पिछले हिस्से में बुरी तरह से फंस गई । ग्रामीणों और प्रशासन की मदद से छात्रा को किसी तरह बाहर निकाला गया लेकिन स्थिति नाजुक होने पर इलाज के लिए अस्पताल ले गए डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया । प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रमिला निषाद 15 वर्ष पुत्री रामसजीवन निवासी नन्दा का पुरा भटौती मेजा वाली रोड पर दवा लेने के लिए आए थी तभी क्रेशर प्लांट से निकली डंपर ने मारी जोरदार टक्कर जिससे किशोरी हुई मौत। सूचना पर मेजा थाना प्रभारी तुषार त्यागी कोहडार पुलिस चौकी इंचार्ज मय फोर्स मौके पहुंचकर डंपर के चक्का में फंसे किशोरी को बाहर निकालकर अस्पताल ले कर गए डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मेजा थाना प्रभारी ने कहा कि डंपर को कब्जे में ले लिया गया है उचित कार्रवाई किया जाएगा।

एक्ट्रेस वीना सेंड्रे बनीं किसान कल्याण संघ की स्टार प्रचारक

रायपुर। किसान कल्याण संघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष व छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष पप्पू घनश्याम यादव ने एक्ट्रेस वीना सेंड्रे को स्टार प्रचारक नियुक्त किया है। मंगलवार को प्रदेश कार्यालय में अध्यक्ष पप्पू घनश्याम यादव ने वीना सेंड्रे को नियुक्ति पत्र सौंपा और स्टार प्रचारक बनने पर बधाई भी दी। स्टार प्रचारक बनने पर एक्ट्रेस वीना सेंड्रे ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मुझे देश के अन्नदाताओं पर हमेशा से गर्व रहा है। उनके प्रति सम्मान की भावना रही है। आज किसान कल्याण संघ द्वारा स्टार प्रचारक के तौर पर जो दायित्व दिया गया है यह मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। मैं इस दायित्व का पूरी ईमानदारी से निर्वहन करूंगी। साथ ही उन्होंने इस दायित्व के प्रदेश अध्यक्ष पप्पू घनश्याम यादव का आभार व्यक्त किया। आपको बता दें कि वीना सेंड्रे Miss International Queen Miss India Transqueen Miss central India Chhattisgarh Official model of Chhattisgarh tourism भी है। हाल ही में उनकी फिल्म प्रेम युद्ध को छत्तीसगढ़ में दर्शकों ने खूब सराहा है।

दलित उत्पीड़न के खिलाफ प्रियंका गांधी सड़क पर उतरीं, जबकि मायावती चुप्पी साधे रहीं : पुनिया

■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस की कैंपेन कमेटी के चेयरमैन, पूर्व सांसद पीएल पुनिया ने बसपा प्रमखु मायावती द्वारा कांग्रेस के खिलाफ की गयी अर्नागल टिप्पणी को गैरवाजिब और उनकी बौखलाहट बताया। उन्होंने कहा कि आदरणीय प्रियंका गांधी के नेतृत्व और उनकी विकास परक राजनीति से प्रदेश के दलित, पिछड़े, अति पिछड़े, अल्पसंख्यक, आदिवासी, समाज में कांग्रेस का जनाधार बढ़ा है। पूर्व सासंद श्री पुनिया ने कहा कि तीन बार भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने वाली बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती जी आखिर पिछले 5 वर्षों से प्रदेश में हुए दलित उत्पीड़नों के खिलाफ एक भी शब्द क्यों नहीं बोला ? हाथरस की दलित बेटी का उत्पीड़न का मामला रहा हो, उसकी नृशंस हत्या करके उत्तर प्रदेश की योगी पुलिस द्वारा उसके परिवार की मर्जी के खिलाफ रातों-रात दाह संस्कार करने का विषय रहा हो, मायावती जी सीबीआई के डर सताता रहा और वह चुप्पी साधे बैठी रहीं और आज चुनाव के ऐन वक्त में बीजेपी प्रवक्ता के तौर पर दलित समाज को गुमराह करने का काम कर रहीं हैं। कैंपेन कमेटी के चेयरमैन श्री पुनिया ने कहा कि एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक आज योगी शासन के दौरान दलित उत्पीड़न में उत्तर प्रदेश समूचे देश में नंबर एक पर पहुंच गया है। लेकिन प्रदेश में बढ़ती दलित हत्याओं और बेटियों कर बलात्कार के खिलाफ मायावती जी एक भी शब्द योगी सरकार के खिलाफ नही निकाल पायी। अभी हाल में आगरा में थाने के अंदर दलित नौजवान अरुण वाल्मीकि की हत्या का मामले सामने आया। तमाम दलित आदिवासी उत्पीड़न की घटनाओं के खिलाफ उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी आदरणीय प्रियंका गांधी द्वारा किए गए आंदोलन मीडिया की सुर्खियों में रहे, जिसे समूचे देश ने देखा है। प्रत्येक दलित उत्पीड़न के खिलाफ अकेले उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने ही पुरजोर आवाज उठाई और दोषियों को अंजाम तक पहुंचाया। पूर्व सांसद पीएल पुनिया ने बसपा सुप्रीमो पर तीखे हमले करते हुए कहा कि सड़कों पर उतर कर संघर्ष करने वाली कांग्रेस पार्टी पर अनर्गल टिप्पणी करने वाली मायावती की दलित विरोधी मानसिकता और राजनैतिक षड्यंत्रकारी सोच को आज पूरा अनुसूचित जाति-जनजाति समाज समझ चुका है। बहुजन समाज पार्टी बीजेपी की ''बी टीम '' के रूप में लगातार काम कर रही है। पूर्व सांसद ने कहा कि चाहे गुजरात का पिछले तीनों विधानसभा चुनाव रहें हो , बिहार का पिछला विधानसभा चुनाव हो। लगातार मायावती जी ने हर चुनाव में दलित और गरीब विरोधी भारतीय जनता पार्टी को चुनाव जिताने के लिए कांग्रेस पर ही हमलावर हो जाती हैं।

दंगों के दोषी आज बन गए हैं विपक्ष के प्रत्याशी: डा दिनेश शर्मा

■ लखनऊ/नोयडा

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने कहा कि विकासवाद का स्वाद चखने के बाद जनता स्वतः भाजपा की ओर मुड़ गई है।वह परिवारवाद, अपराधवाद, सम्प्रदायवाद एवं क्षेत्रवाद से ऊब चुकी है। उन्होंने कहा कि कैराना, सहारनपुर एवं मुजफ्फरनगर दंगों के दोषी आज मुख्य विपक्षी दलों के प्रत्याशी बन गए हैं।वे विपक्ष के सहयोगी के रूप में सामने आए हैं और उनकी ''बी टीम '' हैदराबाद से आई है। पूर्व में सपा, बसपा और कांग्रेस अल्पसंख्यक बंधुओं में उन्माद पैदा करते थे तथा जाति और धर्म के आधार पर ध्रुवीकरण कराकर वोट लेते थे। आज वह काम उनकी ''बी टीम'' एम आई एम कर रही है । उन्होंने कहा कि असल में सपा, बसपा, कांग्रेस और एमआईएम एक ही थैले के चट्टे बट्टे हैं और ये भाजपा के वोट काटने के लिए प्रत्याशी मिलकर खड़ा करते हैं । इनसे सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि लोगों के बीच में जातिवाद का रोग न लगने पाए और सम्प्रदायवाद का ध्रुवीकरण न होने पाए जिससे उत्तर प्रदेश को फिर से अपराध के शिकंजे में आने से रोका जा सके। विपक्ष ने अपराधियों अथवा उनके परिवार के लोगों को प्रत्याशी बना दिया है। कुछ स्थानों पर ये अपराधी तत्व विरोधियों के संपर्क में सामने आ रहे है। यह प्रदेश अब बदल चुका है तथा ऐसे तत्वों का अब कोई प्रदेश में स्थान नही है क्योंकि यहां केवल विकासवाद ही चलेगा। उप मुख्यमंत्री ने दावा किया कि सपा, बसपा और कांग्रेस अपना पिछले चुनाव का प्रदर्शन भी नही दुहरा पाएंगे तथा इन्हें पिछले चुनाव मे जितनी सीटें मिली थीं उससे कम सीट मिलेंगी। उनका यह भी दावा था कि विपक्ष के सभी विधायक मिलकर तीन अंकों तक नही पहुंच सकेंगे।शर्मा ने विपक्षी अल्पसंख्यक ध्रुवीकरण की कोशिशों को भी दुर्भाग्यपूर्ण बताया।उन्होंने कहा कि विपक्ष में सफल नहीं होगा आज भी भाजपा के मुकाबले में कोई दल नही है और विपक्ष भाजपा का नाम सिर्फ चर्चा में बने रहने के लिए लेता है। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसी भी सरकारे थी जब मुजफ्फरनगर जल रहा था तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश भी सिहर रहा था तब लखनऊ में क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की जा रही थी।वे ऐसी सरकारें थी जिनका जनता के दुख सुख से लेना देना नही था। दूसरी ओर प्रदेश में ऐसी सरकार है जिसके मुख्यमंत्री से लेकर मंत्रियों, विधायकों एवं भाजपा के कार्यकर्ताओं ने कोरोना जैसे गंभीर संक्रमणकाल में जान की परवाह किये बिना जनता की बढ़चढकर मदद की। जनसेवा की इस प्रक्रिया मे मे भाजपा के सैकड़ो कार्यकर्ताओं को जान से हाथ धोना पड़ा। सेवा की इस होड़ में मंत्री और विधायक तक दिवंगत हुए । मुख्यमंत्री तो जनसेवा में इस कदर समर्पित हुए कि वे अपने पिता के निधन के बाद उनके अंतिम दर्शन के लिए भी नही जा सके।

अमन मिश्रा बने प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के महानगर उपाध्यक्ष

संवाददाता

लखनऊ। अमन मिश्रा जी को प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के प्रति आस्था को देखते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव एवं राष्ट्रीय महासचिव आदित्य यादव की अनुमति से लखनऊ महानगर कमेटी में उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया है ।

पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता/महानगर अध्यक्ष जनाब मुर्तजा अली जी द्वारा जारी पत्र में श्री अमन मिश्रा जी से अपेक्षा की गई है कि वे पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव एवं राष्ट्रीय महासचिव आदित्य यादव की नीतियों व सिद्धांतों पर चलकर पार्टी को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे।

दर्जनों बसपा नेताओं ने राष्ट्रीय लोकदल की सदस्यता ग्रहण की:सुरेंद्रनाथ त्रिवेदी

लखनऊ। आज राष्ट्रीय लोकदल कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 मसूद अहमद के समक्ष जिलाध्यक्ष रण विजय मौर्य के अथक प्रयासों से दर्जनों बसपा नेताओं ने राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ0 जयंत सिंह के नेतृत्व में आस्था व्यक्त करते हुये रालोद की सदस्यता ग्रहण की।

यह जानकारी देते हुये राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश प्रवक्ता सुरेन्द्रनाथ त्रिवेदी ने बताया कि बक्शी का तालाब के बसपा नेता मनोज कुमार यादव, जितेन्द्र कुमार, डॉ0 अजय कुमार, अंकित मिश्रा, अनूप कुमार सहित अपने दर्जनों समर्थकों के साथ दल में शामिल हुये हैं। उनके शामिल होने से निश्चित ही राष्ट्रीय लोकदल को मजबूती मिलेगी।

राष्ट्रीय पर्वों के माध्यम से युवाओं में राष्ट्र चेतना जगाने का सतत् प्रयास कर रहे इन्द्रप्रताप सिंह

संवाददाता

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर हर वर्ष आयोजित होता है भव्य समारोह

रामसनेही घाट, बाराबंकी। राष्ट्रीय पर्वों के माध्यम से अमर शहीदों एवं राष्ट्र के प्रति दायित्वों का बोध कराने के लिए रामसनेहीघाट क्षेत्र के निवासी युवा राष्ट्रवादी चिंतक सामाजिक कार्यकर्ता इन्द्रप्रताप सिंह द्वारा विगत 15 वर्षों से कार्य किया जा रहा है। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर प्रतिवर्ष डाक बंगला रामसनेहीघाट में ÷एक शाम-शहीदों के नाम÷ कार्यक्रम का भव्य आयोजन कर आम जनमानस को राष्ट्रीय पर्व को मनाने हेतु जहाँ प्रेरित करने का काम किया जाता है,वहीं अमर बलिदानियों की शौर्य गाथा गाते हुए असंख्य देशभक्त क्रांतिकारी, शहीद एवं स्वतंत्रता सेनानियों की याद में दीप प्रज्वलन किया जाता है। सांस्कृतिक कार्यक्रम और विचार गोष्ठी के साथ-साथ माँ कल्याणी का पूजन/आरती कर दीपदान की भव्य श्रृंखला और सैकड़ों युवाओं के गगन भेदी नारों से पूरा वातावरण राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत हो जाता है।

कार्यक्रम राष्ट्र को बचाना है तो पूरे दम से बीजेपी को फिर एक बार बहुमत से सत्ता में लाना है: अपर्णा यादव

पार्टी की विचारधारा के कारण आज मैं इस पार्टी का हिस्सा हूं: अपर्णा यादव

■ लखनऊ

राष्ट्र को बचाना है तो पूरे दम से बीजेपी को फिर एक बार बहुमत से सत्ता में लाना है। ये बातें रविवार को भारतीय जनता पार्टी का दामन थामने वाली अपर्णा यादव ने कहीं। राजधानी लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में महिला मोर्चा की ओर से स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुलायम सिंह यादव की बहू अपर्णा, रायबरेली सदर से चुनाव लड़ने वाली अदिति सिंह और प्रियंका मौर्या का स्वागत किया गया।

हाल फिलहाल में भारतीय जनता पार्टी का दामन थामने वाली

अपर्णा यादव ने कहा कि मैंने राष्ट्रवाद के कारण भारतीय जनता पार्टी को चुना है। भारतीय जनता पार्टी ने देश को विकास की राह पर तेजी से बढ़ाने के साथ ही देश में संस्कारों को सिंचित करने का काम किया है। उन्होंने कहा नव भारत के नव निर्माण के इस संकल्प में मैं आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस संकल्प में रंग भरने का काम करूंगी।

उन्होंने कहा कि आगे आगे विचार चलते हैं और यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी के विचारों के कारण आज मैं इस पार्टी का हिस्सा हूं।

योगी सरकार की महिला केंद्रित योजनाओं से महिलाएं हुईं सशक्त -अदिति सिंह

- योगी सरकार की महिला केंद्रित योजनाओं से महिलाएं हुईं सशक्तः अदिति सिंह
- बीजेपी में महिलाओं का सम्मान सर्वोपरि : प्रियंका मौर्य

रायबरेली सदर से चुनाव लड़ने वाली अदिति सिंह ने कहा कि बीजेपी ने अपने पूरे कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में महिला केंद्रित योजनाओं को लागू कर महिलाओं की जिंदगी में नए रंग भरे हैं। महिला केंद्रित योजनाओं का लाभ पाकर महिलाएं सशक्त हुई हैं। योगी सरकार ने उज्जवला योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, स्वयं सहायता समूह, राष्ट्रीय आजीविका मिशन समेत दूसरी कई कल्याणकारी योजनाओं से महिलाओं को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें जो महिलाओं के लिए योजना लागू करना तो दूर उनके हित की बात नहीं करती थी। इससे इतर बीजेपी ने महिलाओं के हक की बात करते हुए विशेष योजनाओं से लाभान्वित कर उनको समाज की मुख्यधारा में जोड़ने का काम भी किया।

बीजेपी में महिलाओं का सम्मान सर्वोपरि-प्रियंका मौर्य

प्रियंका मौर्य ने कहा कि मैं समाजहित और राष्ट्रहित के लिए मैंने भारतीय जनता पार्टी को चुना। सबका साथ सबका विकास के मंत्र पर काम करने के संकल्प संग काम करूंगी। उन्होंने कहा कि ये पार्टी किसी एक की नहीं या पार्टी सभी वर्ग के लोगों से बनी हुई पार्टी है इस पार्टी में महिलाओं का सम्मान सर्वोपरि है। जिस कारण मैंने इस पार्टी को चुना है।

नुसरत जहां ने यश दासगुप्ता को बताया फैमिली

तृणमूल कांग्रेस सांसद व अभिनेत्री नुसरत जहां अपने राजनीतिक सफर के अलावा एक्टिंग और निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। नुसरत जहां की निजी जिंदगी हमेशा से सुर्खियों में रही हैं। वह निखिल जैन से शादी से लेकर मां बनने और फिर यश दासगुप्ता के साथ अपने रिश्ते का खुलासा करने सहित कई वजहों से हमेशा चर्चा में रही हैं।

यश दासगुप्ता बांग्ला फिल्मों के जाने-माने कलाकार हैं। नुसरत जहां और यश दासगुप्ता अपने रिश्ते के बारे में हमेशा से खुलकर बात करते रहे हैं। अब अभिनेत्री ने यश दासगुप्ता को अपनी फैमिली बताया है। नुसरत जहां ने बिजनेसमैन निखिल जैन के साथ 2019 में टर्की में शादी की थी। इसके बाद कोलकाता में शादी की रिसेप्शन पार्टी दी थी। इनकी शादी में प्रॉब्लम की खबरें तब गॉसिप गलियारों में गूंजने लगीं, जब कई महीनों तक नुसरत और निखिल ने सोशल मीडिया में एक-दूसरे की तस्वीरें पोस्ट नहीं की थीं।

वहीं निखिल जैन से अलग होने की खबरों ने तब जोर पकड़ा, जब नुसरत के प्रेग्नेंट होने की खबरें आईं और यश दासगुप्ता को उनके बच्चे का पिता बताया गया।

आदित्य नारायण

के घर जल्द गूंजने वाली है किलकारी

सिंगर आदित्य नारायण ने एक बहुत बड़ी गुडन्यूज अपने फैंस के साथ शेयर की है। उन्होंने बताया कि जल्द ही उनके घर में किलाकरी गुंजने वाली हैं, वो और उनकी पत्नी श्वेता अग्रवाल अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं। आदित्य इस न्यूज से काफी एक्साइटेड हैं, उन्होंने कहा, श्वेता और मैं अपने जीवन के इस नए चरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं, यह रियल लगता है। मुझे हमेशा से बचों का शौक रहा है और मैं किसी दिन पिता बनना चाहता था। अब, श्वेता को और काम करना पड़ सकता है क्योंकि मैं किसी बचे से कम नहीं हूं। हम हाल ही में एक शरारती गोल्डन रिट्रीवर भी घर लाएं हैं। ऐसे में हमारा घर जल्द ही खूब सारी एनर्जी से भर जाने वाला है।

सिंगर का कहना है कि यह उनके लिए एक सपने के सच होने जैसा है। ईटाइम्स से बात करते हुए उन्होंने कहा,यह फिल्मी लग सकता है, लेकिन 6 अगस्त, 2017 को मेरे 30 वें जन्मदिन पर, जब श्वेता और मेरी सगाई भी नहीं हुई थी, तो मेरा सपना था कि श्वेता एक नर्सिंग होम में हमारे बचे को गोद में लिए खड़ी हो। मुझे खुशी है कि मेरा सपना सच हो रहा है। बहुत जल्द, हम सिर्फ अपने परिवार के सदस्यों के साथ गोद भराई की रस्म करने जा रहे हैं। आदित्य और श्वेता ने फिल्म शापित (2010) में अभिनय किया, और काफी लंबे समय तक डेट करने के बाद दोनों वे 1 दिसंबर, 2020 को शादी रचा ली थी।

वह आगे कहते हैं, मैंने भी पिछले कुछ सालों में बहुत मेहनत की है, क्योंकि मैं अपनी पत्नी और परिवार को एक अछा लाइफ स्टाइल देना चाहता हूं। मेरे लिए ये बहुत स्पेशल है कि हम अब एक परिवार के रूप में अपनी जीवन शुरू कर रहे हैं।

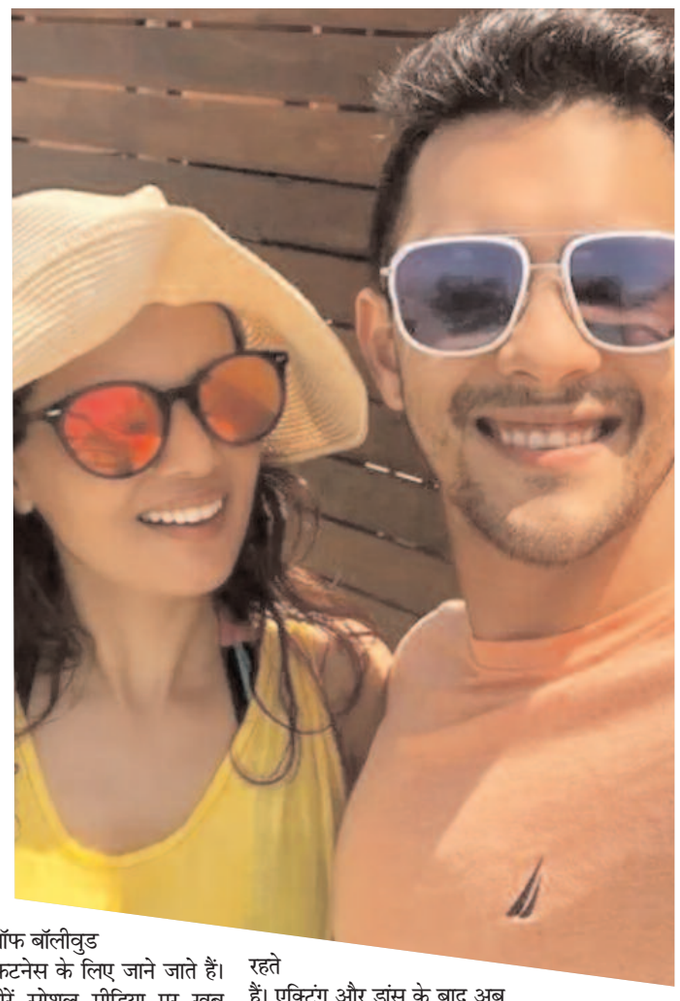

टाइगर श्रॉफ माइक संग रोमांस करते आये नजर, साझा की पहले सिंगल गाने की यादें

एक फैन ने लिखा, फ्लो ही अपकी खूबी है!, तो वहीं एक और फैन ने उन्हें माइकल जैकशन से तुलना करते हुए कमेंट किया, माइकल टाइगर। वक्र फ्रंट की बात करें तो टाइगर श्रौफ की कई बड़ी फिल्में आने वाली है। जिनमें अहमद खान की हीरोपंती 2 है, जिसमें टाइगर, तारा सुतारिया के साथ रोमांस करते नजर आएंगे।

एक्टर टाइगर श्रॉफ बॉलीवुड में अपने स्टंट और फिटनेस के लिए जाने जाते हैं। उनकी शर्टलेस तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल होती हैं। टाइगर के पोस्ट इंटरनेट पर अछा खासा ट्रैफिक क्रिएट करते हैं। केवल इंस्टाग्राम पर ही 33 मीलियन से यादा लोग उन्हें फॉलो करते हैं। टाइगर भी फैंस के लिए कुछ न कुछ नया लेकर आते रहते हैं। एक्टिंग और डांस के बाद अब वह अपना सिंगिग स्किल दिखा रहे हैं। हाल ही टाइगर ने एक म्यूजिक वीडियो शेयर किया हैं। जिसमें वो डांस के साथ-साथ गाते हुए भी नजर आ रहे हैं।

दरअसल, टाइगर श्रॉफ ने इंस्टाग्राम पर एक थ्रोबैक वीडियो पोस्ट किया है। जिसमें वह अपने पहले सॉन्ग के लिए रिहर्सल करते नजर आ रहे हैं। बता दें कि साल 2020 में टाइगर श्रॉफ का एक डांस म्यूजिक वीडियो आया था, जिसके लिए उन्होंने अपनी अवाज दी थी। वीडियो का टाइटल 'अनबिलिवेबल'है। यह पहला मौका था जब टाइगर ने सिंगिग में हाथ आजमाया था। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, अपने पहले सिंगल के लिए एक माइक के साथ रोमांस करने की कोशिश करते हुए।

एक्टर का यह वीडियो उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है। पोस्ट पर टाइगर के फैंस ने कई प्यारभरे कमेंट किए हैं। एक फैन ने लिखा, फ्लो ही अपकी खूबी है!, तो वहीं एक और फैन ने उन्हें माइकल जैकशन से तुलना करते हुए कमेंट किया, माइकल टाइगर। वक्र फ्रंट की बात करें तो टाइगर श्रौफ की कई बड़ी फिल्में आने वाली है। जिनमें अहमद खान की हीरोपंती 2 है, जिसमें टाइगर, तारा सुतारिया के साथ रोमांस करते नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म गणपत भी जल्द अपनी शूटिंग खत्म करने वाली है। गणपत में टाइगर के साथ कृति सेनन होंगी। टाइगर अब तक बागी और वॉर जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। वॉर में उनके साथ एक्टर ऋतिक रोशन भी थें।

अर्जुन कपूर ने सोशल मीडिया पर शेयर की तस्वीर

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है, जिसपर उनकी ग्रलफ्रेंड मलाइका अरोड़ा ने कमेंट कर अपना प्यार जताया है। अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा चर्चा में बने रहते हैं। अपने रिश्ते को लेकर दोनों हमेशा सुर्खियों में बने रहते हैं। अर्जुन कपूर ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर कि है, जिसपर उनकी ग्रलफ्रेंड मलाइका अरोड़ा ने कमेंट कर अपना रिऐक्शन दिया है। अर्जुन कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकांउट पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है।तस्वीर में अर्जुन ने ब्लैक कलर की स्टाइलिश टी-शर्ट पहने हुए और ब्लैक चश्मे में नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, ठीक है तो सॉन्ग और इमेज का कोई कनेक्शन नहीं है। मैं सिर्फ फिल्मी कीड़ा हूं, जिसे अपने 90 के दशक के रेट्रो वाइब से प्यार है। हां, सॉन्ग 1996 का है जो 25 साल पहले का है, अभी भी पुराना लगता है। इस तस्वीर पर मलाइका अरोड़ा ने कमेंट कर लिखा है, हैंडसम मच यानी की बहुत सुंदर।

वरुण धवन ने पहली मैरिज एनिवर्सरी

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने पिछले साल अपने बचपन की दोस्त नताशा दलाल के साथ शादी के बंधन में बंध गए। अब सोमवार को वो अपनी शादी की पहली सालगिरह मना रहे हैं। इस मौके पर उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर विवाहिक बंधन में बंध रहे वक्त की तस्वीरें शेयर की हैं।

अभिनेता वरुम धवन ने इस खास मौके पर तीन तस्वीरें शेयर की है। पहली तस्वीर में एक्टर अपनी अर्घांनगी की हाथ पकड़ कर शपथ लेते हुए नजर आ रहे हैं। दूसरी तस्वीरें में वो वरमाला की रस्म को पूरा कर रहे हैं। वहीं तीसरी तस्वीर में दोनों एक-दूसरे के हाथ जोडते एक दूसरे के आंखों में देख रहे हैं। इन तस्वीरों को इंस्ट्राग्राम पर अभिनेता ने कैप्शन में 1 और हार्ट का इमोजी के साथ शेयर किया है।

वरुण की इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर फैंस के साथ-साथ बॉलीवुड कलाकार भी खूब पसंद कर रहे हैं और कमेंट कर उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं। बता दें कि पिछले साल 24 जनवरी को मुंबई स्थित अलीबाग के रिजॉर्ट में वरुण धवन और नताशा दलाल ने सात फेरे लिए थे। उनकी शादी कोरोना गाइडलाइन के चलते दोनो परिवार के लोग और कुछ खास लोग ही शामिल हुए थे।

वरुण और नताशा एक दूसरे को काफी लंबे वक्त से डेट कर रहे थे। अक्सर दोनों को साथ घूमते हुए और छुट्टियां मनाते हुए स्पॉट किया जाता था। साथ में हुई है दोनों की स्कूलिंग वरुण धवन और नताशा दलाल ने मुंबई एक स्कूल से साथ पढ़ाई की है। वरुण ने कई बार बताया है कि जब उन्हें नताशा को पहली बार देखा तो वह छठी क्लास में थे। जिसके बाद दोनों अछे दोस्त बनेगे और 12वीं क्लास तक अछे दोस्त बने रहे। लेकिन कुछ वक्त बाद जब वरुण और नताशा एक म्यूजिक कॉन्सर्ट में मिले जिसके बाद वरुण ने उन्हें प्रपोज कर दिया।

बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो उन्होंने हाल ही में राज मेहता द्वारा निर्देशित जुग जुग जियो के रूस शेड्यूल की शूटिंग को खत्म किया है। इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म में वरुण धवन और कियारा आडवाणी लीड़ किरदार निभा रहे हैं। इसके अलावा वरुण अमर कौशिक की फिल्म भेड़िया में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वो अभिनेत्री कृति सेनन के साथ लीड रोल में नजर आने वाले हैं।

सोफी चौधरी ने शेयर

की लेटेस्ट वेकेशन तस्वीरें

कहा- 'मुझे विटामिन सी की जरूरत है'

बॉलीवुड अभिनेत्री सोफी चौधरी अपने लुक और स्टाइलिश अंदाज के चलते काफी चर्चा में रहती हैं। वो अक्सर सोशल मीडिया पर अपने फोटोज वीडियो फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। इसी बीच उनकी एक तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें वो स्विंमिंग पूल में मस्ती करती दिख रही हैं।

इस तस्वीरों में अभिनेत्री एक कलर फूल स्विमसूट पहने बाहर निकलती हुई दिख रही हैं। इन तस्वीरों में सोफी बेहद शांत दिख रही हैं। फोटोज को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने कैप्शन लिखा, 'मुझे बस विटामिन सी की एक डोज चाहिए।' सोफी के इस फोटो को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। फोटो को अब (खबर लिखे जाने तक) कई लाख लोग लाइक कर चुके हैं और कमेंट कर उनकी तारीफ कर रहे हैं। वहीं सिंगर कनिका कपूर, अनुषा दांडेकर ने भी कमेंट कर प्रतिक्रिया दी है।

हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक मोनोक्रोम तस्वीर शेयर की थी, जिसमें सोफी चौधरी ब्लैक कलर की ड्रेस पहने एक चेयर पर बैठ कर पोज देती दिख रही हैं। इस फोटो को इंस्टाग्राम पर शेयर कर एक्ट्रेस ने कैप्शन लिखा, जीवन वहीं है जो ब्लैक और व्हाइट के बीच होता है।

आपको बता दें कि सोफी चौधरी मूल रूप से ब्रिटेन की रहने वाली है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत साल 2000 में बतौर पॉप सिंगर की। उन्होंने साल 2000 में एक बैंड की स्थापना की और अपना लिखा हुआ सॉन्ग गाया। इसके बाद वो मुंबई आई और साल 2002 में एमटीवी की होस्टर बन गई। उन्होंने अपने बॉलीवुड में अपना डेब्यू साल 2005 में आई फरदीन खान और संजय दत्त की फिल्म शादी नंबर 1 से किया है। जिसके बाद उन्होंने शूटआउट एट वडाला, प्यार के साइड इफेक्ट्स, मनी है तो हनी है, आ देखने जरा, वन्स अपॉन ए टाईम इन मुंबई अगेन जैसी फिल्मों में काम किया है।

अनुष्का-विराट ने वामिका की फोटो वायरल होने पर दिया रिएक्शन, हमें नहीं पता था कि...

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेले गए तीसरे वनडे मुकाबले में पूर्व कप्तान विराट कोहली को दो झटके लगे। पहली तो उनके अर्ध शतक के बावजूद इस मैच भारत की हार हुई, दूसरी उनकी बेटी वामिका की पहली झलक लोगों के सामने आ गई। वामिका की तस्वीर और वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहे हैं। अब अनुष्का और विराट ने खुद इस पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने एक पोस्ट लिख अपनी पक्ष रखा है।

अनुष्का शर्मा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा है, हाय गाइज! हमें पता चलता है कि हमारी बेटी की तस्वीरें कल स्टेडियम में ली गईं और ये लगाता वायरल हो रहीं है। हम सभी आपको बताना चाहते हैं कि हमें ऑफ गार्ड कैप्चर किया गया और तब हमें मालूम नहीं था कि कैमरे की नजर हम पर ही हैं। अपनी बेटी की तस्वीर को लेकर हमारा रुख पहले जैसा ही है। हम आपसे उम्मीद करेंगे कि वामिका की तस्वीरें क्लिक ना करें या उसे कहीं ना छापें। इसके पीछे कारण वही है जैसा कि पहले बताया जा चुका है, थैंक यू।

दरअसल, रविवार को भारत और साउथ अफ्रीका के मैच के दैरान अनुष्का शर्मा की बेटी वामिका की पहली झलक लोगों ने देख ली है। वो पापा विराट कोहली को चीयर करते हुए कैमरें में कैद हो गईं। इस तरह

वामिका की पहली तस्वीर इंटरनेट पर लीक हो गई। एक इंटरनेट यूजर ने पहली बार वामिका का चेहरा दिखाते हुए एक स्क्रीनशॉट पोस्ट किया। इससे विराट और अनुष्का के फैंस नाराज हो गए।

'फाइटर' में ऋतिक रोशन के साथ काम को लेकर उत्साहित हैं दीपिका पादुकोण

अपनी शानदार एक्टिंग से लोगों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री दीपिका पादुकोण अपनी आगामी फिल्मों को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। अब उन्होंने अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म फाइटर को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वो हमेशा से ही ऋतिक के साथ काम करना चाहती थी और वो इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार, जब उनसे ऋतिक के साथ काम करने के बारे पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैं हमेशा से ऋतिक के साथ काम करना चाहती थी। लेकिन कभी-कभी ये किसी के साथ काम करने के बारे में नहीं होता है, मुझे लगता है कि किसी के साथ काम करने के लिए बहुत सी चीजें मैटर करती हैं। जिसमें सही स्क्रिप्ट होनी चाहिए, ये सही निर्देशक होना चाहिए। जो हमारा साथ काम करना तय करती है, हां तो मुझे लगता है कि ये हमारे लिए एक साथ काम करने का सही वक्त है।

सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही फाइटर भारत की पहली एरियल एक्शन फ्रैंचाइजी फिल्म है। इस फिल्म में ऋतिक रोशन, अनिल कपूर और अभिनेत्री दीपिका पादुकोण नजर आने वाली हैं। इस एक्शन ड्रामा फिल्म के जरिए दीपिका पादुकोण और ऋतिक रोशन पहली बार एक-दूसरे के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करने वाले हैं। ऋतिक रोशन की ये फिल्म इस साल 30 सितंबर, 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जा सकता है।

बता दें, ऋतिक रोशन इस फिल्म से लगभग 3 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी को तैयार हैं।

पुरुषों के लिए हेयर ऑयल

पसीनें की वजह न सिर्फ त्वचा की नमी और चमक जाने लगती है। पसीने और चिपचिपाहट की वजह से बाल भी रुखे और बेजान लगने लगते हैं। खासकर पुरुषों के साथ यह समस्या बहुत ज्यादा होती हैं। इसलिए कई पुरुष गर्मी आते ही तेल लगाना छोड़ देते हैं, मौसम बदलते ही तेल लगाना न छोड़े अपने बालों के अनुसार तेल चुने और लगाएं। इससे बालों को पोषण मिलने के साथ ही गर्मी में आपको सुकून मिलेगा। आइए जानते है कि पुरुषों को अपने बालों के अनुसार कौनसा तेल लगाना चाहिए।

जोजोबा ऑयल

सूखे और डेमेज्ड हेयर के लिए जोजोबा ऑयल सूखे और डेमेज्ड, ड्रेंडफ से भरे हुए बालों को सही करने का काम करता है। यह एक तरह से नॉन स्टिकी और नॉन ग्रीसी ऑयल होता है, यह बालों में सीरम की तरह काम करता है। इसमें मौजूद एंटीबैक्टिरियल गुण मौजूद होते हैं जो बालों के जड़ों में अवशोषित होकर जड़ों को रिपेयर करने का काम भी करते हैं।

नारियल का तेल

सभी तरह के बालों के लिए नारियल का तेल हमारे देश में मुख्यत यूज में लिया जाता है। यह बहु उद्देश्यी तेल है जो कि हर तरह का बालों में लगाया जा सकता है। यह बालों की ग्रोथ बढ़ाने के साथ ही यह आपके जड़ों में से ड्रेंडफ हटाने के अलावा बालों को पोषण देने के साथ ही चमकदार बनाता है।

ऑलिव ऑयल

सेंसिटिव बालों के लिए यह एक तरह से बालों के लिए बहुत ही अच्छा कंडीश्नर है। यह कभी भी बालों में किसी तरह का एर्लीजिक रिएक्शन को नहीं बढ़ाता है। यह हर तरह के सेंसेटिव बालों में सूट हो जाता है। यह जड़ों को हेल्दी बनाए रखता हैं।

आईलाइनर को स्मज होने से बचाएं

आईलाइनर आंखों की खूबसूरती बढ़ाने का काम करता है। इससे आंखें और भी बड़ी व अट्रैक्टिव नजर आती है। ऐसे में लड़कियां अपनी डेली रूटीन में ब्लैक आईलाइनर को अलग-अलग तरीकों से लगाना पसंद करती है। इसके अलावा पार्टी या खास मौके पर कई लड़कियां कलर्ड लाइनर भी यूज करती है। मगर ज्यादा इसके स्मज यानी फैलने का खतरा रहता है। ऐसे में लुक खराब होने की चिंता रहती है। साथ ही कई बार शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर आप भी इन समस्याओं से परेशान है तो आज हम आपको लंबे समय तक आईलाइन टिका रहने के कुछ टिप्स बताते हैं।

टोनर करें इस्तेमाल

आईलाइनर लगाने से आंखों को टोनर की मदद से साफ करें। इससे आंखों के आसपास जमा एक्सट्रा आयल व गंदगी साफ होने में मदद मिलेगी। ऐसे में लाइनर आसानी से लगने के साथ फैलने का खतरा कम रहेगा।

प्राइमर करें यूज

अपनी आईलिड पर हल्के हाथों से मसाज करते हुए प्राइमर लगाएं। उसके बाद इसपर आईलाइनर लगाएं। इससे आपका लाइनर लंबे समय तक टिका रहेगा। साथ ही इसे लगाने में भी आसानी होगी।

सही आईलाइनर का करें चुनाव

बाजार में अलग-अलग तरह के आईलाइनर मिलते हैं। ऐसे में आप इसे अपनी स्किन टाइप के हिसाब से खरीद सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, अगर आपकी स्किन ड्राई या नार्मल है तो आप लिक्विड, क्रीम बेस्ड या पेंसिल आइलाइनर ले सकती है। इसके विपरीत ऑयली स्किन वालों के लिए जेल लाइनर बेस्ट रहेगा। ये जल्दी स्मज नहीं होंगे। ऐसे में आंखों की खूबसूरती बरकरार रहेगी।

वाटरप्रूफ आईलाइन खरीदें

आईलाइन खरीदते समय यह ध्यान रखें कि वो वाटरप्रूफ हो। ये लंबे समय तक लगे रहने के साथ आंखों को नुकसान होने से भी बचाता है।

पहले करें लैशेज कर्ल

अगर आप आईलाइनर लगाने के बाद लैशेज कर्ल करती है तो अपनी इस आदत को बदल लें। असल में,कर्लर का सिलिकॉन पैड कुछ पिगमेंट को दूर करता है। ऐसे में लंबे समय तक आईलाइनर टिका रहने में मदद मिलती है। इसलिए हमेशा पहले लैशेज को कर्लर की मदद से गोल करें। उसके बाद ही आईलाइनर का इस्तेमाल करें।

शिशु की त्वचा से बाल हटाने के उपाय

आटा और सरसों का तेल

चार चम्मच गेहूं के आटे में दो-तीन चम्मच सरसों का तेल मिलाएं। इसको थोड़ा सा पानी डालकर गूंध लें और इसकी लोई यानी बॉल बना लें। शिशु की मालिश के बाद इस लोई में हल्का सा तेल लगाकर शिशु के शरीर पर हल्के हाथों से धीरे-धीरे मलें। ऐसा कुछ दिनों तक लगातार करने से बाल हटने लगेंगे। अगर बच्चे को सरसों का तेल सूट नहीं करता है तो इसके लिए आप उस तेल का इस्तेमाल कर सकती हैं, जिससे आप शिशु के शरीर की मालिश करती हैं।

आटा, हल्दी और बादाम का तेल

तीन-चार चम्मच आटे में आधा चम्मच हल्दी और दो चम्मच बादाम का तेल डालकर गूंध लें। इसकी मुलायम लोई बनाएं जो शिशु के शरीर पर चिपके नहीं, इस लोई में हल्का सा बादाम का तेल लगाकर शिशु के शरीर पर हल्के हाथों से मलें। चेहरे के बाल हटाने के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

बेसन, दूध और हल्दी

शिशु के शरीर से बाल हटाने के लिए आप बेसन, दूध और हल्दी का इस्तेमाल कर सकते हैं। तीन-चार चम्मच बेसन में चौथाई चम्मच हल्दी और दो-तीन चम्मच दूध मिलाकर आटे की तरह गूंध लें। इसकी लोई बनाकर धीरे-धीरे शिशु के शरीर पर मलें। इस प्रक्रिया को शिशु की मालिश के बाद रोज़ाना दस-बारह मिनट तक दोहराएं। कुछ दिनों में शरीर से बाल हटने लगेंगे। दो चम्मच चंदन पाउडर में दो चुटकी हल्दी मिलाएं और दो चम्मच दूध मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट को शिशु की शरीर पर हल्के हाथों से लगाएं। जब ये थोड़ा सूख जाये तो धीरे-धीरे मलते हुए इस पेस्ट को शिशु के शरीर से हटाएं। इसके बाद उसके शरीर को गीले कपड़े से साफ कर दें या नहला दें।

मसूर दाल, ऑलिव ऑयल और दूध

दो चम्मच मसूर दाल को रात को पानी में भिगो दें। सुबह इसको महीन पीस कर इसका पेस्ट बना लें। इसमें दो चम्मच ऑलिव ऑयल मिलाएं और दो चम्मच दूध मिलाएं। इस पेस्ट को शिशु के शरीर पर लगाकर आधे घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद हल्के हाथों से मलते हुए इसे शरीर से हटा दें।

ऐसे करें गुलाब जल का इस्तेमाल

चेहरे से मुहांसों के दाग हटाने के लिए

चेहरे से मुहांसों के दाग हटाने के लिए, आप गुलाब जल का इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके लिए रोजाना रात को सोने से पहले, गुलाब जल को रुई की सहायता से अपने चेहरे पर लगाएं और रात भर के लिए ऐसे ही छोड़ दें.

ऱ्क स्पॉट्स को हटाने के लिए

डार्क स्पॉट्स को हटाने के लिए, आप एक चम्मच दही में, 15 बूंदें गुलाब जल की मिलाएं और 5 बूंदें नीबू के रस की मिलाएं. इस मिक्सचर को अपने चेहरे पर आधे घंटे के लिए फेस पैक की तरह से लगाएं और सूखने पर चेहरा धो लें.

स्किन को सॉफ्ट बनाने के लिए

स्किन को सॉफ्ट बनाने के लिए, आप एक चम्मच बेसन में, एक चम्मच दही मिलाएं और उसमें 15 बूंदें गुलाब जल की मिलाएं. इसको अच्छी तरह से मिक्स कर लें और इस पेस्ट को अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह अप्लाई करें. इसके 20 मिनट बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें.

चेहरे पर ताजगी के लिए

चेहरे पर नमी और ताजगी के लिए, आप तीन चार चम्मच गुलाब जल को आइस ट्रे में डालकर फ्रीजर में रख दें. जब यह आइस क्यूब जम जाए, तो इसको निकाल कर, इससे अपने चेहरे पर हल्के हाथों से रब करें. इससे ब्लड सर्कुलेशन बढ़ेगा, स्किन में कसाव आएगा साथ ही चेहरे पर नमी और ताजगी बनी रहेगी.

स्किन में ग्लो लाने के लिए

स्किन में ग्लो लाने के लिए, आप एक चम्मच दही में, 20 बूंदें गुलाब जल की मिलाएं. दोनों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें और इस पेस्ट को अपने चेहरे पर फेस मास्क की तरह अप्लाई करें. इसके लगाने के 20 मिनट बाद चेहरा पानी से धो लें.

धूप से स्किन झुलसने पर

गर्मी में धूप की वजह से अगर चेहरे की स्किन झुलस जाए, तो इसके लिए आप रोजाना रात को सोने से पहले, गुलाब जल को रुई के ज़रिये अपने चेहरे पर लगाएं. पूरी रात इसे ऐसे ही लगा रहने दें. चेहरे की रंगत निखारने के लिए चेहरे की रंगत निखारने के लिए, आप एक चम्मच चंदन पाउडर में, दो चम्मच गुलाब जल मिलाएं, इसमें एक चुटकी भीमसैनी कपूर भी मिला लें. इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं और सूखने तक ऐसे ही छोड़ दें. इसके बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें.

घूमना-फिरना ज़िंदगी का अहम हिस्सा

हर किसी के जीवन में घूमने-फिरने का अलग समय महत्व होता है। हालांकि जीवन के सबसे यादगार पल किसी ना किसी वेकेशन के तो होते ही हैं। कई सारे लोग ऐसे होते हैं जिनको घूमना फिरना पसंद नहीं होता कुछ ऐसे होते हैं जिनको हर 3 -4 महीने में उनका घूमने का प्लान बन ही जाता है। बात अगर ख़ास कर उनकी करें जिन्हे घूमने फिरने में कोई दिलचस्पी नहीं है या जो कहते हैं कि घूमने से टाइम वेस्ट होता है उनके लिए ये जरूरी है कि घूमना क्यों जानना जरूरी है।

ट्रैवल में आप अपनी ताकत, कमजोरी, इंपोर्टेंस को समझते हैं। आपको अपने आप को जानने का मौका मिलता है। अन्य जगहों के बारे में जानने का मौका मिलता है। पर्सनल ग्रोथ को इंहेंस करने के लिए ट्रैवलिंग बहुत जरूरी है। घूमने से आप अपने रोजाना के रूटीन से हट कर कुछ करते हैं। जो आपको आपके कंफर्ट जोन से बाहर निकालने में मदद करता है। जिसकी मदद से आप ज्यादा फ्री महसूस करते हैं। सेल्फ डेवलपमेंट हर इंसान के लिए ज़रूरी होता है। तो इसलिए हर इंसान को घूमने फिरने के लिए अपने सेल्फ डेवलपमेंट के ट्रिप प्लैन करना चाहिए।

शांति सुकून हर किसी इंसान के ज़िन्दगी में मायनें रखता है। रोजाना के रूटीन में हर किसी का अपना एक शेड्यूल होता है। जो कई बार स्ट्रेस से भरा हुआ होता है। हम अपनी आत्मशांति खो देते हैं। हर किसी के ज़िन्दगी में एक ऐसा पल होता है जिससे वह निकलना चाहता है इन सब के लिए आपको एक पल शांति सुकून के नाम करना चाहिए। ऐसे में ट्रैवलिंग अच्छा ऑप्शन है, जो आपको घूमने फिरने नई जगहों को एक्सप्लोर करने का मौका देता है। ट्रैवलिंग टेंशन को दूर करने में मदद करेगा। ट्रैवलिंग से ना केवल मन की शांति मिलती है बल्कि, यह आपके दिमाग को भी पूरी तरह से एक्सपेंड करता है, आप चीज़ों को बेहतर तरीके से समज पाते हैं।

ध्यान दें: वैक्सीनेशन के बाद साइड इफेक्ट्स को न करें नजरअंदाज

वैक्सीन के नैदानिक परीक्षण के साथ दर्ज किए गए सबसे आम इफेक्ट्स में फ्लू जैसे लक्षण शामिल हैं और ये अपेक्षित हैं। साथ ही ये प्रतिक्रियाशील माने जाते हैं। वैक्सीनेशन के बाद ये लक्षण नजर आएं, तो आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए न कि अपनी मर्जी से कोई दवा लेनी चाहिए।

वैक्सीन जब शरीर में अपने असर दिखाती है, तो इस दौरान कई साइड इफेक्ट्स नजर आते हैं। ऐसे में शरीर में दर्द और थकान जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। हमें इनसे घबराना नहीं है, बल्कि डॉक्टर द्वारा दी गई दवा का सेवन करें और अच्छे से आराम करें क्योंकि 2-3 दिनों में ये दिक्कतें दूर हो जाती हैं। कोरोना की वैक्सीन लेने के बाद जिस तरह कई व्यस्कों में बुखार आना देखा गया था, तो ठीक ऐसे ही माना जा सकता है कि बच्चों में हल्का या तेज बुखार आने जैसी दिक्कतें देखी जा सकती हैं, क्योंकि वैक्सीन अपना असर दिखाती है। ऐसे में डॉक्टर की निगरानी में रहें और अपने मन से किसी भी दवा का सेवन न करें।

उम्मीद की जा सकती है कि जिस जगह पर बच्चों को कोरोना का इंजेक्शन लगेगा, वहां उन्हें दर्द हो सकता है। जैसे व्यस्कों को हुआ था। ऐसे में जरूरी है कि बच्चे को ज्यादा से ज्यादा आराम कराया जाए और कुछ दिन बाद ये दर्द छूमंतर हो जाता है।

क्या होते हैं ई-सिगरेट में?

ज्यादा से ज्यादा युवा ई-सिगरेट का इस्तेमाल करते हैं, जिन्हें पारंपरिक धूम्रपान के सुरक्षित विकल्प के रूप में प्रचारित किया जाता है। हालांकि यह भ्रामक प्रचार है, क्योंकि इनकी वैपिंग में करीब दो हजार रसायन होते हैं और इनमें से ज्यादातर रसायन ऐसे हैं, जिनकी पहचान नहीं हो पाई है। इनमें बहुत से औद्योगिक रसायन और कैफीन शामिल हैं। जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के हालिया शोध के मुताबिक, यद्यपि ई-सिगरेट में सिगरेट वाले तत्व काफी कम होते हैं और इन्हें सिगरेट के सुरक्षित विकल्प के रूप में प्रचारित किया जाता है, लेकिन इन्हें कंबस्शन टेंपरेचर से कम पर जलाया जाता है, इसलिए इस बात के स्पष्ट प्रमाण नहीं मिलते हैं कि यह सिगरेट के मुकाबले में ज्यादा सुरक्षित है।

इसमें कहा गया है कि वैपिंग करने वालों को यह भी नहीं पता है कि वह जिस प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर रहे हैं, अभी उसके खतरों के बारे में पूरी जानकारी भी नहीं है। इन रसायनों से स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ सकते हैं। अध्ययन में छह संभावित हानिकारक पदार्थों की पहचान की गई है, जिनमें तीन ऐसे रसायन शामिल हैं जो पहले कभी ई-सिगरेट में नहीं पाएग ए थे। चार उत्पादों में से दो में उत्तेजक कैफीन शामिल मिला है। अध्ययन में आगे कहा गया है कि पहले भीई-सिगरेट में कैफीन मिली है, लेकिन केवल कॉफीव चॉकलेटफ्लेवर वाले ई-सिगरेट में। कंपनियों ने बिना बताए ही धूम्रपान करने वालों को ज्यादा किक देने के लिए ई-सिगरेट में इसे मिलाया होगा। कैफीन के अलावा, शोधकर्ता ओंने तीन औद्योगिक रसायनों, एक कीटनाशक और दोफ्लेवर की पहचान की, जिनका जहरीला प्रभाव हो सकता है या सांसों में जलन होती है। शोध में वैपिंग लिक्विड में हजारों अज्ञात रसायन पाए गए और एरोसोल में कंपाउंड्स की संख्या और भी बढ़ गई। इसके अलावा, आमतौर पर कंबस्शन से जुड़े संघनित हाइड्रोकार्बन जैसे कंपाउंड भी पाए गए, जबकि निर्माता ने दावा करते हैं कि वैपिंग में ऐसे कंपाउंड नहीं हैं। पारंपरिक सिगरेट में कंबस्शन के दौरान उत्पन्न संघनित हाइड्रोकार्बन विषाक्त होते हैं। ई-सिगरेट पर जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी का शोध इस मामले में पुराने अध्ययनों से अलग है कि इसमें पारंपरिक सिगरेट में पाए जाने वाले खतरनाक रसायनों के प्रमाण विशेषरूप से परखे गए। नए शोध में वैपिंग लिक्विड और एरोसोल में पाए जाने वाले सभी रसायनों का विश्लेषण किया गया। शोध के दौरान क्रोमैटोग्राफी और हाई रेजोल्यूशन स्पेक्ट्रोमेट्री के जरिये वैप सैंप्ल को टेस्ट किया गया। यह केमिकल फिंगरप्रिंटिंग की तकनीक है, जिसका प्रयोग पानी, भोजन और खून में विभिन्न कार्बनिक तत्वों की पहचान के लिए होता है। इसमें एमआई-साल्ट, वुसु, जूल और ब्लू के टोबैको फ्लेवर वाले लिक्विड को परखा गया।

कारपेट पर लगे हेयर डाई के दाग करें रिमूव

बालों को कलर करने का फैशन काफी ज़ोरों पर है। फिर भले ही सफेद बालों को डाई करना हो या फिर बालों के नेचुरल कलर पर अपने पसंद का कलर अप्लाई करना हो। ऐसे में हर बार पार्लर जाना तो मुमकिन होता नहीं है, इसलिए लोग ज्यादातर घर में ही बालों को डाई कर लेते हैं। लेकिन कई बार बालों को कलर करते समय डाई कारपेट पर भी गिर जाती है, जिसकी वजह से कारपेट पर गहरे निशान पड़ जाते हैं जो देखने में भद्दे नजर आते हैं। अगर इन दागों को रिमूव करने की कोशिश करो तो ये दाग आसानी से निकलते भी नहीं हैं। ऐसे में हम आपकी इस दिक्कत को दूर करने के लिए कुछ तरीके बता रहे हैं, जिनको आजमाकर आप कारपेट पर लगे हेयर डाई के दागों को आसानी से साथ हटा सकते हैं। आइये जानते हैं कि डाई के दाग हटाने के लिए क्या तरीके आजमाए जा सकते हैं।

हाइड्रोजन पेरॉक्साइड

हाइड्रोजन पेरॉक्साइड का इस्तेमाल आप हेयर डाई के दाग को निकालने के लिए कर सकते हैं। ये नॉर्मल से लेकर परमानेंट हेयर डाई के दाग को हटाने में आपकी मदद करेगा। इतना ही नहीं इसके इस्तेमाल से कारपेट के रंग ख़राब होने का डर भी नहीं रहेगा। इसके लिए आप एक से दो चम्मच हाइड्रोजन पेरॉक्साइड लिक्विड किसी बाउल में लेकर इसमें कॉटन बॉल को डिप कर लें। इसके बाद इसको दाग वाली जगह पर अच्छी तरह से लगाकर लगभग दस मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद ब्रश की मदद से रगड़कर कारपेट को साफ़ करें। दाग आसानी से निकल जायेगा।

नींबू का रस

नींबू का रस भी आप कारपेट से हेयर डाई का दाग हटाने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप नींबू के रस को दाग वाली जगह पर अच्छी तरह से छिड़क दें। इसके बाद ब्रश की मदद से इसको रगड़कर साफ करें। अगर दाग एक बार में साफ नहीं होता है तो आप इस प्रोसेस को फिर से दोहरा सकते हैं।

नेल पेंट रिमूवर

नेल पेंट रिमूवर की मदद भी आप कारपेट पर लगे दाग को हटाने के लिए ले सकते हैं। इसके लिए आप नेल पेंट रिमूवर को कॉटन बॉल के जरिए कारपेट पर अच्छी तरह से लगा दें और कुछ देर ऐसे ही लगा छोड़ दें। इसके बाद किसी सूती कपड़े से रगड़ कर दाग को निकालें। दाग आसानी के साथ रिमूव हो जाएगा।

सोडियम थायोसल्फेट

कारपेट से हेयर डाई के साथ किसी भी तरह के दागों को हटाने के लिए आप सोडियम थायोसल्फेट का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप सबसे पहले एक से दो कप पानी को गर्म कर लें, फिर इसमें एक चम्मच सोडियम थायोसल्फेट डालकर घोल तैयार कर लें। अब इस घोल को आप स्प्रे बॉटल में भरकर दाग वाली जगह पर छिड़काव कर दें या फिर किसी सूती कपड़े के जरिए इस घोल को दाग पर अच्छी तरह से लगा कर 5 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद ब्रश से रगड़कर दाग को हटाएं।

आज की रेसिपी

अंजीर की खीर

हैदराबादी अंजीर की खीर रेसिपी: यह एक बहुत ही स्वादिष्ट खीर की रेसिपी है जिसमें आपको अंजीर की गुडनेस के साथ केसर, राइस और इलाइची का स्वाद भी मिलेगा.

सामग्री :

- 1 कप रात भर भीगे हुए अंजीर
- मुट्ठी भर चावल (3-4 घंटे के लिए भिगोए हुए)
- 1 लीटर दूध
- 4-5 टेबल स्पून कडेंस्सेड मिल्क
- 6-7 केसर रेशे
- 1/2 टी स्पून इलायची पाउडर

विधि :

- भिगोए हुए अंजीर को पीसकर एक पेस्ट बना लें और एक तरफ रख दें.
- चावल का भी एक पेस्ट बनाकर एक तरफ रख दें.
- तीन-चार मिनट के लिए मध्यम आंच पर सॉस पैन में दूध को पकाएं.
- इसमें चावल का पेस्ट डालें और इसे लगातार चलाएं ताकि इसमें गांठे न पड़ें.
- अंजीर का पेस्ट डालें और इसे लगातार चलाएं.
- जब आपको एक गाढ़ा और क्रीमी मिश्रण मिल जाए तो इसमें कडेंस्सेड मिल्क और केसर डालकर उबालें.
- आखिर में इसमें इलाइची पाउडर डालें, इसे अच्छे से मिलाएं और छोटे बाउलस में निकालकर सर्व करें.

अनिश्चितता के दौर में आपके सहयोग ने मिसाल कायम की: स्मिथ ने बीसीसीआई को धन्यवाद दिया

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट निदेशक ग्रीम स्मिथ ने कोरोना महामारी के बीच दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी क्षमता पर भरोसा जताने के लिये भारतीय खिलाड़ियों और बीसीसीआई को धन्यवाद देते हुए कहा है कि उनकी असाधारण प्रतिबद्धता दूसरों के लिये मिसाल बन गई है। कोरोना वायरस के नये वैरिएंट ओमीक्रोन का पहला मामला दक्षिण अफ्रीका में आने के बावजूद बीसीसीआई ने दौरा रद्द नहीं करने का फैसला किया था। भारत और दक्षिण अफ्रीका ने इस दौरे पर तीन टेस्ट और तीन वनडे खेले।

स्मिथ ने ट्वीट किया, ''बीसीसीआई, जय शाह, सौरव गांगुली और भारतीय खिलाड़ियों तथा प्रबंधन को धन्यवाद जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट की क्षमता पर भरोसा किया। अनिश्चितता केइ स दौर में आपकी प्रतिबद्धता ने एक मिसाल कायम की है जिसका दूसरे अनुसरण कर सकते हैं।'' उनका इशारा आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड बोर्ड की ओर था। आस्ट्रेलिया ने पिछले साल कोरोना महामारी के कारण दक्षिण अफ्रीका का तीन टेस्ट का दौरा स्थगित कर दिया था। वहीं इंग्लैंड दिसंबर 2020 में बायो बबल में कोरोना के मामले आने के बाद सीमित ओवरों की श्रृंखला बीच में छोड़कर लौट गया था। दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ दोनों श्रृंखलायें जीती जिससे टीम का मनोबल बढा होगा और प्रसारण अधिकारों से मिलने वाली रकम से क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका की स्थिति भी सुधरेगी।

लक्ष्मण ने युगांडा के अंडर 19 खिलाड़ियों से बात की

तारोबा (त्रिनिदाद)। भारत के महान बल्लेबाज और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने अंडर 19 विश्व कप में भारत के हाथों 326 रन से हारे युगांडा के खिलाड़ियों से बात करके उनकी हौसलाअफजाई की। युगांडा क्रिकेट संघ ने ट्वीट किया, ''भारत के महान क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण कल भारत के खिलाफ मैच के बाद हमारे खेमे में आये और लड़कों को कुछ सलाह दी। धन्यवाद लक्ष्मण भाई।'' लक्ष्मण ने कहा कि उन्हें खिलाड़ियों से बात करने में मजा आया। उन्होंने ट्वीट किया, ''लड़कों से बात करके अच्छा लगा। उन्हें और युगांडा क्रिकेट को भविष्य के लिये शुभकामनायें।'' ग्रुप बी में भारत, आयरलैंड और दक्षिण अफ्रीका के साथ खेलने वाली युगांडा की टीम तीनों मैच हारकर बाहर हो चुकी है।

छेत्री ने की आईएसएल में रिकॉर्ड गोल की बराबरी की, बेंगलुरु ने गोवा को बराबरी पर रोका

बम्बोलिम। दिग्गज खिलाड़ी सुनील छेत्री ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में 11 मैचों से चला आ रहा गोल का सूखा खत्म किया जिससे बेंगलुरु एफसी ने एफसी गोवा के खिलाफ पिछड़ने के बाद इस फुटबॉल मैच को बराबरी पर खत्म किया। छेत्री का आईएसएल में यह 48वां गोल है। वह लीग के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वालों की सूची में संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गये हैं। उन्होंने फेरान कोरोमिनास की बराबरी की है। मैच का पहला गोल 41वें मिनट में आया, जब डायलन फॉक्स ने हेडर से गोल करके एफसी गोवा को 1-0 से आगे कर दिया। मध्यांतर के बाद दूसरे हाफ के 61वें मिनट में स्टार स्ट्राइकर छेत्री के हेडर ने बेंगलुरू एफसी को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। इस ड्रा से बेंगलुरु के अपराजित रहने का सिलसिला छह मैचों तक पहुंच गया है। टीम गोल औसत के आधार पर आठवें स्थान (12 मैचों में तीन जीत व पांच ड्रा से 14 अंक) पर है जबकि गोवा नौवें स्थान पर बरकरार है। गोवा ने 13 मैचों में तीन जीते हैं व पांच ड्रा खेले हैं।

प्राइम वॉलीबॉल लीग का आयोजन स्थल कोच्चि से हैदराबाद स्थानांतरित

नई दिल्ली। रुपे प्राइम वॉलीबॉल लीग के आयोजन स्थल को कोच्चि से हैदराबाद स्थानांतरित कर दिया गया है। यह लीग अब मशहूर गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में होगा, जहां पहले भी कई बड़े खेल आयोजन हो चुके हैं। लीग का आयोजन 05 फरवरी 2022 से 27 फरवरी 2022 के बीच किया जाएगा, प्रतियोगिता के कार्यक्रम की जल्द ही घोषणा की जाएगी।

लीग के आयोजकों ने एक बयान में कहा, ÷प्रतियोगिता में शामिल सभी कर्मियों का स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन के लिए पहली प्राथमिकता है और इसलिए प्रतियोगिता एक मजबूत बायो-बबल में आयोजित की जाएगी और लीग आयोजक यह सुनिश्चित करेंगे कि बबल के अंदर सभी प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जा रहा है।

बेसलाइन वेंचर्स के सह-संस्थापक और एमडी, तुहिन मिश्रा ने एक बयान में कहा, ÷हम वास्तव में कोच्चि में प्राइम वॉलीबॉल लीग की मेजबानी करने के लिए उत्सुक थे, हालांकि विभिन्न अधिकारियों के साथ केरल में बढ़ती कोविड -19 स्थिति की समीक्षा और निरंतर चर्चा के बाद हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि यदि हम आयोजन स्थल को हैदराबाद ले जाते हैं तो यह सभी के लिए सबसे अच्छा होगा। हैदराबाद में वॉलीबॉल के लिए एक मजबूत रुचि है और इसलिए आयोजन स्थल को बदलने का फैसला करने के बाद यह हमारे लिए एक आसान विकल्प था। हम सभी प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के लिए तेलंगाना राज्य के अधिकारियों के साथ काम कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि हैदराबाद में सभी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के बीच शानदार प्रतिस्पर्धा होगी। हम इस अवधि के दौरान केरल राज्य प्राधिकरणों और क्षेत्रीय खेल केंद्र की टीम को उनके समर्थन और समझ के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं।

आईएसएल: ओडिशा ने मोहन बगान को गोलरहित ड्रा पर रोका

गोवा। गोल करने के कई मौके चूकने के कारण एटीके मोहन बगान रविवार रात फतौर्डा स्थित पंडित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 के लीग मैच में ओडिशा एफसी के साथ गोलरहित ड्रा खेलने पर मजबूर हुआ।

कोच जुआन फेर्रांडो की टीम बगान 10 मैचों में 16 अंक हो गए हैं और वो सातवें स्थान पर बनी हुई है। बगान ने चार मैच जीत हैं और चार ड्रा खेले हैं। वहीं, ओडिसा 12 मैचों में 17 अंकों के साथ तालिका में छठे स्थान पर बरकरार है। कोच किनो गार्सिया की टीम ओडिशा ने पांच मैच जीते हैं और दो ड्रा खेले हैं।

अंक बांटने की वजह से बगान अंक तालिका की शीर्ष चार टीमों में स्थान बनाने से चूक गई। वैसे, मैच में कोलकाता की टीम की तरफ से 17 शॉट्स लगाए गए लेकिन लक्ष्य की तरफ छह ही लगे, जिन्हें ओडिशा के गोलकीपर अर्शदीप सिंह और डिफेंस ने नाकाम किया। वहीं, ओडिशा की ओर से 13 शॉट्स में से मात्र तीन ही लक्ष्य की तरफ दागे गए। ओडिशा के मिडफील्डर थोइबा सिंह को मिडफील्ड पर दमदार खेल देखने के लिए हीरो ऑफ द मैच अवार्ड से नवाजा गया।

आपको मौके तो मिल रहे हैं लेकिन आप उनका फायदा नहीं उठा रहे हैं : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में भारतीय मध्यक्रम का प्रदर्शन काफी खराब रहा और इसका खामियाजा भी मेहमान टीम को भुगतना पड़ा। कुछ ऐसा ही पूर्व भारतीय खिलाड़ी आकाश चोपड़ा का भी मानना है, जिनके मुताबिक सीरीज हार के कारणों में एक कारण मध्यक्रम की बल्लेबाजी है। टीम इंडिया को प्रोटियाज के खिलाफ वनडे सीरीज में 3-0 से हार का सामना करना पड़ा। सीरीज के सभी मैचों में भारतीय टॉप ऑर्डर ने अच्छा किया लेकिन मध्यक्रम फायदा उठाने में नाकाम रहा। अपने यूट्यूब चैनल पर भारत की हार के कारणों पर चर्चा करते हुए आकाश चोपड़ा ने मध्यक्रम को लेकर कहा, मध्यक्रम गड़बड़ है।

जाधव की सुपर रेड पर भारी पड़ा विनय का बोनस, हरियाणा ने यूपी को 1 अंक से हराया

बेंगलुरु। डेढ़ मिनट से भी कम बाकी था और हरियाणा स्टीलर्स को तीन अंक की लीड मिली हुई थी लेकिन श्रीकांत जाधव ने सुपर रेड के साथ स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद यूपी को एक रेड और मिला लेकिन वह अंक नहीं ले सका जबकि विनय ने मैच की अंतिम रेड पर बोनस लेकर स्टीलर्स को शानदार जीत दिला दी। विनय की अंतिम रेड पर मिले बोनस से स्टीलर्स ने शेराटन ग्रैंड, व्हाइटफील्ड होटल एवं कन्वेंशन सेंटर में जारी वीवो प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सीजन के 73वें मैच में यूपी योद्धा को 36- 35 से हराया। यह इस सीजन में हरियाणा की छठी जीत है। लगातार तीसरी जीत के साथ स्टीलर्स चार स्थान की छलांग के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। यूपी पांचवीं हार के साथ चौथे स्थान पर ही कायम हैं। जाधव ने इस मैच में सुपर-10 पूरा किया लेकिन मोहित और जयदीप जैसे डिफेंडरों के हाई-5 यूपी की टीम के सारे प्रयासों पर भारी पड़े। यूपीको तीन मैचों के बाद पहली हार मिली। इस मैच में 6 अंक लेने वाले परदीप ने अपने शुरुआती चार रेड में तीन अंक लिए और यूपी ने सात मिनट के बाद 4-1 की लीड ले रखी थी। साथ ही परदीप ने अपने करियर में 12250 रेड पॉइंट पूरे किए। हालांकि इसके बाद हरियाणा ने अपने खेल का स्तर उठाया। खासतौर उसके डिफेंस ने अगले 16 मिनट में नौ अंक लिए और टीम को बराबरी पर लाकर खड़ा कर दिया। ब्रेक के बाद मोहित ने अपना हाई-5 पूरा

किया और हरियाणा ने यूपी को पहली बार ऑल आउट कर 20-16 की लीड ले ली। आलइन के बाद परदीप ने एक अंक लिया लेकिन अगली रेड पर रोहित गुलिया ने परदीप को बाहर किया। रोहित चमक रहे थे। तीन रेड में पांच अंक लेते हुए उन्होंने स्कोर 26-18 कर दिया। यूपी के लिए सुपर टैकल आन था। डू ओर डाई रेड पर यूपी के डिफेंस ने विकाश को सुपर टैकल किया लेकिन इस प्रयास में उसका एक डिफेंडर बाहर आ गया। फिर परदीप डू ओर डाई रेड पर थे। वह चौथी बार लपके गए। स्टीलर्स 8 की लीड ले चुके थे। यूपी ने सब्सीट्यूट के तौर पर मोहम्मद माहाली को मैट पर उतारा। माहाली ने सुपर रेड के साथ यूपी को तीन अंक दिलाया और ऑल आउट भी बचा लिया। स्कोर 24-29 था। विकाश ने हालांकि नितेश को बाहर कर नुकसान की भरपाई की कोशिश की। फिर जाधव अंक लेकर लौटे। सुपर रेड के बाद माहाली ने कंडोला को लपक बड़ा शिकार किया। अब स्टीलर्स के लिए सुपरटैकल आन था। डू ओर डाई रेड पर जाधव आए। वह अंक लेकर लौटे। स्कोर 27-30 हो गया था। दो के डिफेंस में परदीप गए लेकिन उनको सुपर टैकल करने के प्रयास में रोहित गुलिया का कंधा मिडलाइन के पार चला गया। परदीर सुरक्षित लौटे और गुलिया को बाहर जाना पड़ा। फिर यूपी ने स्टीलर्स को ऑल आउट कर दिया। स्कोर हालांकि 32-31 से अभी भी स्टीलर्स के पक्ष में था। आलइन के बाद स्टीलर्स के डिफेंस ने पांचवीं बार परदीप को लपका। इसी के साथ जयदीप ने चौथा हाई-5 पूरा किया। अगली रेड पर स्टीलर्स ने माहाली को लपक लीड तीन की कर ली। अगली रेड पर जाधव ने नाडा को आउट किया लेकिन विनय ने रनिंग हैंड टच पर अंक ले फासला फिर तीन का कर दिया। जाधव की अगली रेड पर स्टीलर्स के डिफेंस ने भारी गलती कर दी। सुपर रेड के साथ जाधव ने न सिर्फ अपना सुपर-10 पूरा किया बल्कि अपनी टीम को संजीवनी देते हुए 35-35 की बराबरी पर लाकर खड़ा कर दिया। विनय ने आखिरी रेड पर बोनस लिया और हरियाणा को मैच जिता दिया।

जीत की पटरी पर लौटते हुए टेबल टॉपर बने बुल्स, टाइटंस को मिली 10वीं हार

बेंगलुरु। लगातार तीन हार के बाद बेंगलुरू बुल्स ने शेराटन ग्रैंड, व्हाइटफील्ड होटल एवं कन्वेंशन सेंटर में जारी वीवो प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सीजन के 74वें मैच में रविवार को तेलुगू टाइटंस को 36-31 से हराकर लीग तालिका में फिर से पहला स्थान हासिल कर लिया है। बुल्स की यह आठवीं जीत है जबकि टाइटंस को 10वीं हार मिली है। बुल्स के लिए उसके सुपरस्टार पवन सेहरावत ने एक बार फिर सुपर-10 पूरा किया जबकि डिफेंस में अमन और सौरव नांदल ने चार-चार अंक लिए। टाइटंस के लिए अंकित बेनीवाल ने सात अंक लिए और डिफेंस में आकाश चौधरी हाई-5 के साथ प्रभावित किया। बहरहाल, दूसरे ही मिनट में ही टाइटंस की डू ओर डाई रेड आ गई। पवन सेहरावत ने तीन रेड में अंक लेते हुए बुल्स को 4-0 की लीड दिला दी थी। आकाश चौधरी ने हालांकि चौथी रेड पर पवन को लपक लिया। पांचवें मिनट में पिछले मैच के हीरो आदर्श टी. डू ओर डाई रेड पर आए लेकिन वह डैश कर दिए गए। यहां से टाइटंस के खिलाड़ियों का आउट होने का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह ऑलआउट पर ही समाप्त हुआ। 10 मिनट के भीतर टाइटंस को ऑल

आउट कर बुल्स बुल्स को 12-5 की लीड ले चुके थे। इसके बाद दोनों टीमों को चार-चार अंक मिले। स्कोर 16-9 था। लय में नजर आ रहे पवन ने लगातार तीसरे बोनस के साथ इस सीजन का अपना 11वां सुपर-10 पूरा किया। इसके बाद पवन ने हाफ टाइम से ठीक पहले सुरेंदर को आउट किया। हाफ टाइम तक स्कोर 22-11 से बुल्स के हक में था। इस हाफ में बुल्स ने रेड में बाजी मारी और 8 के मुकाबले 14 अंक लिए। उसे दो ऑलआउट और दो एक्स्ट्रा प्वाइंट्स भी मिले। बुल्स के डिफेंस ने सिर्फ 4 अंक लिए लेकिन उसने अपने फेल्ड टैकल्स की संख्या कम रखी। टाइटंस के डिफेंस को तीन अंक मिले। ब्रेक के बाद हालांकि सब्सीट्यूट सी. अरून ने टाइटंस के डिफेंस को चौथी सफलता दिलाई। दीपक नरवाल लगातार दूसरी बार आउट हुए। टाइटंस ने वापसी की राह पकड़ ली थी। इस दौरान टाइटंस के डिफेंस ने पवन को भी लपका। अंत के 10 मिनट बाकी थे और 8 की लीड के साथ बुल्स के लिए सुपर टैकल आन था। आदर्श के खिलाफ जीबी मोरे ने गलती और फासला सात का रह गया। पवन बीते 11 मिनट से मैट से बाहर थे। आदर्श फिर गए और महेंदर को आउट करके लौटे। भरत सात के डिफेंस में लपके गए। वह हालांकि बोनस ले चुके थे। बुल्स ऑल आउट हो गए थे। अब लीड 5 का रह गया था। आलइन के बाद पहली ही रेड पर पवन टैकल हुए। भरत ने हालांकि उन्हें रिवाइव करा लिया। अब बेनीवाल डू ओर डाई रेड पर थे और सौरव ने उन्हें जाने नहीं दिया। आकाश ने अगली रेड पर भरत को लपक इसकी भरपाई की और हाई-5 पूरा किया। स्कोर 31-26 था। राकेश ने हालांकि अमन को आउट कर लीड चार का कर दिया। फिर डिफेंस ने पवन को लपक लिया। दीपक नरवाल ने हालांकि सी अरुण का शिकार किया। बुल्स के डिफेंस ने डू ओर डाई रेड पर आदर्श के खिलाफ दो अंक गंवा दिए। उन्हें सिर्फ एक अंक मिला। स्कोर 30-34 हो गया था।

वनडे टीम का संतुलन एक मसला, हार्दिक और जडेजा की कमी खली :कोच द्रविड़

केपटाउन । भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने स्वीकार किया कि एक दिवसीय क्रिकेट टीम में संतुलन का अभाव है और छठे सातवें नंबर पर हार्दिक पंड्या और रविंद्र जडेजा जैसे हरफनमौला खिलाड़ियों की कमी खली। दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में भारत को 3.0 से हराया। इसके बाद द्रविड़ पर सवालों की बौछार होना लाजमी थी मसलन गेंदबाजी और बल्लेबाजी में बीच के ओवरों में खराब प्रदर्शन, केएल राहुल की कप्तानी और वेंकटेश अय्यर को शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी के लिये नहीं उतारना वगैरह।

द्रविड़ ने कहा, ''टीम की लय संतुलन पर निर्भर करती है। अगर ईमानदारी से देखें तो जो खिलाड़ी टीम को संतुलन देते हैं और छठे, सातवें, आठवें नंबर पर हरफनमौला के रूप में विकल्प प्रदान करते हैं, वे चयन के लिये उपलब्ध नहीं थे।'' द्रविड़ का इशारा हार्दिक पंड्या और जडेजा की ओर था जो फिटनेस कारणों से बाहर हैं। उन्होंने कहा, ''जब वे वापसी करेंगे तो टीम को गहराई मिलेगी। इससे हमें अलग तरीके से खेलने की सहूलियत भी मिलेगी।''

के एल राहुल की कप्तानी के बारे में पूछने पर कोच ने कहा कि लोगों को समझना होगा कि वह उपलब्ध टीम से जो सर्वश्रेष्ठ कर सकता था, उसने किया। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि उसने अच्छा काम किया। हारने पर यह सब आसान नहीं होता लेकिन उसने अभी शुरूआत ही की है। वह समय के साथ सीखेगा और कप्तानी का मतलब अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराना भी है। जो भी खिलाड़ी उपलब्ध हैं। वनडे टीम में कुछ कमी रह गई लेकिन उसने अपने काम को बखूबी अंजाम दिया। वह समय के साथ बतौर कप्तान निखरेगा।''

बीसवें से 40वें ओवरों के बीच भारतीय बल्लेबाजों ने दिशा खो दी। द्रविड़ ने भी इसे स्वीकार करते हुए कहा, ''हम बीच के ओवरों में बेहतर बल्लेबाजी कर सकते थे। लेकिन दो मैचों में पहले बल्लेबाजी करने पर दक्षिण अफ्रीका ने 290 के करीब रन बनाये और अब हम देखें तो दोनों मैचों में 30वें ओवर के बाद हम लक्ष्य हासिल करने की स्थिति में थे।'' उन्होंने किसी का नाम लिये बिना कहा, ''हमने कुछ खराब शॉट खेले और निर्णायक क्षणों में चतुराई

द्रविड़ उनमें से नहीं है जो खिलाड़ियों का नाम लेकर कुछ कहें लेकिन मध्यक्रम के कुछ बल्लेबाजों को कई मौके दिये जाने के बाद प्रदर्शन की उम्मीद से उनका आशय श्रेयस अय्यर और ऋषभ पंत की ओर था।

'हमारा मिशन पूरा हुआ', भारत का सूपड़ा साफ करने के बाद टेंबा बावुमा का बड़ा बयान

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को केपटाउन में खेले गए तीसरे व अंतिम वनडे में भारत को 4 रन के करीबी अंतर से हरा दिया। इसी के साथ मेजबान टीम ने वनडे सीरीज में टीम इंडिया का 3-0 से क्लीरन स्वी प किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने भारत को टेस्ट सीरीज में 2-1 से मात दी थी।

दीपक चाहर (54) ने एक समय मुकाबला बेहद रोमांचक बना दिया था। तब लग रहा था कि टीम इंडिया मैच जीतकर अपनी साख बचाने में कामयाब होगी। मगर उनके आउट होते ही मैच का तख्ताब पलटा और प्रोटियाज टीम ने मैच अपने नाम किया। मैच के रोमांच के बारे में बात करते हुए दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा ने कहा, %अंत में स्थितियां थोड़ी रोचक हो गई थीं। एक वक्त हमें लगने लगा था कि मैच हमारे हाथ से निकल गया, लेकिन अंत में हम वापसी करने में सफल रहे।

टीम इंडिया का वनडे सीरीज में क्लीन स्वीकप करने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा ने कहा, यह जीत बेहद संतोषजनक है और एक टीम के रूप में हमारा मिशन पूरा हुआ है। सीरीज से पहले हमें कोई जीत का दावेदार नहीं मान रहा था, लेकिन मुझे आशा है कि हमें अपने इस प्रदर्शन से कुछ नए प्रशंसक मिले होंगे।

क्विंटन डी कॉक के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए प्रोटियाज कप्तान टेंबा बावुमा ने कहा, क्विंटन ने शानदार प्रदर्शन किया और साबित किया कि वो हमारे लिए एक मूल्येवान खिलाड़ी हैं। रासी वान डर डुसैन ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। उनके अलावा अगर कहें कि सभी बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया।

केएल राहुल ने दीपक चाहर की पारी और भारत की हार को लेकर दिया बड़ा बयान

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में करीब जाकर भारतीय टीम 4 रन के अंतर से पराजित हो गई। टीम इंडिया की जीत नज़र आ रही थी लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने ऐसा नहीं होने दिया। केएल राहुल ने मैच के बाद दीपक चाहर की पारी और टीम की हार को लेकर प्रतिक्रिया दी।

केएल राहुल ने कहा कि दीपक ने हमें मैच जीतने का मौका दिया। काफी रोमांचक गेम रहा, बस निराश होकर हम हारने वाली टीम पर समाप्त हुए। हमने खुद को एक वास्तविक मौका दिया, कुछ ऐसा जिससे हम सीख सकते हैं और बेहतर हो सकते हैं। बिल्कुल स्पष्ट है कि हम कहाँ गलत हो गए हैं। इससे कोई परहेज नहीं है। कई बार हमारा शॉट चयन खराब रहा है। गेंद से भी हम लगातार सही क्षेत्रों में हिट नहीं कर रहे हैं। पैच में अच्छा खेला है लेकिन लंबे समय से दबाव नहीं बनाया है। जुनून और प्रयास के लिए लड़कों को दोष नहीं दे सकते।

भारतीय कप्तान ने आगे कहा कि कौशल और स्थिति को समझने के मामले में कभी-कभी हम गलत हो जाते हैं। हमारी टीम में नए लोग हैं इसलिए ऐसा हो जाता है। वनडे सीरीज में हम कई बार वही गलतियाँ करते रहे हैं। वर्ल्ड कप के लिए यह हमारे सफर की शुरुआत है। हम इस पर वापस जाकर कुछ बातचीत कर सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका में समय अच्छा गया, वास्तव में अच्छी तरह हमारा ध्यान देखा गया। हमने काफी संघर्ष दिखाया है।

अगर लम्बा रन दिया जाए तो सूर्यकुमार टीम के लिए चमत्कार कर सकते हैं : दिनेश कार्तिक

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर वनडे सीरीज में सूर्यकुमार यादव को आखिरी मैच में प्लेइंग 11 में मौका मिला और उन्होंने इस दौरान कुछ जबरदस्त शॉट खेले। सूर्यकुमार की बल्लेबाजी की सराहते हुए दिनेश कार्तिक ने टीम मैनेजमेंट से लम्बे समय तक लगातार प्लेइंग 11 में खिलाने का आग्रह किया है। सूर्यकुमार टीम को जीत दिलाने में असफल रहे लेकिन उन्होंने 32 गेंद में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 39 रन बनाये। सीरीज के शुरुआती मैचों में सूर्यकुमार को मौका नहीं दिया गया था और उनकी जगह वेंकटेश अय्यर खेले थे। केपटाउन में खेले गए आखिरी वनडे में सूर्यकुमार ने लक्ष्य का पीछा करते हुए नंबर 6 पर काफी अच्छे से बल्लेबाजी की और अपने शॉट खेले।

क्रिकबज पर जडेजा को मध्यक्रम के लिए विकल्प बताते हुए

दिनेश कार्तिक ने कहा, जडेजा नंबर 6 पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार है, वास्तव में, वह इतनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है कि वह नंबर 5 पर भी खेल सकता है। वह अब लापरवाह नहीं है, वह अब अपने दिमाग का उपयोग कर रहा है और बल्ले से गेम जीत रहा है, और सफेद गेंद वाले क्रिकेट में, उसका मजबूत पक्ष उसकी बल्लेबाजी हो सकती है। वह आपके लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करेगा क्योंकि वह जानता है कि खेल को कैसे अंत तक ले जाना है।

आखिरी ओवर में 29 रन बनाना हुआ बेकार

वेस्टइंडीज की 1 रन से हुई हार, इंग्लैंड ने सीरीज में बराबरी की

ब्रिजटाउन। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज आखिरी ओवर में रन बनाने के बावजूद दूसरे टी मैच में सिर्फ एक रन से चूक गए और इंग्लैंड ने पांच मैचों की श्रृंखला में 1.1 से बराबरी कर ली। एशेज श्रृंखला में 4.0 से हार के बाद इंग्लैंड को यहां पहले टी20 में वेस्टइंडीज ने नौ विकेट से मात दी थी। दूसरे टी20 में पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर इंग्लैंड ने आठ विकेट पर 171 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज जैसन रॉय ने 31 गेंद में 45 रन का योगदान दिया। इ

सके बाद वेस्टइंडीज ने लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट 13 ओवर में 78 रन के स्कोर पर गंवा दिये। एक समय उसका स्कोर आठ विकेट पर 111 रन था और उसे तीन ओवर में 60 रन बनाने थे। वेस्टइंडीज के दसवें नंबर के बल्लेबाज अकील हुसैन ने साकिब महमूद को आखिरी तीन गेंद पर लगातार तीन छक्के जड़े। वह 16 गेंद में तीन चौकों और चार छक्कों की मदद से 44 रन बनाकर नाबाद रहे। हरफनमौला खिलाड़ी रोमारियो शेफर्ड 28 गेंद में एक चौके और पांच छक्कों की मदद से 44 रन बनाकर अविजित रहे। दोनों ने 29 गेंद में 72 रन की साझेदारी की। आखिरी ओवर में 30 रन

चाहिये थे और हुसैन ने तीन छक्के लगाकर एकतरफा मैच को रोमांचक बना दिया। वह हालांकि एक रन से चूक गएं इंग्लैंड के लिये मोईन अली ने चार ओवर में 24 रन देकर तीन विकेट लिये। तीसरा टी20 मैच बुधवार को खेला जायेगा।